==========

मकबूल शाह क्रालुवार्य सुंज़ लीछिमुच़ मसनवी

दास्तान-ए-गुलरेज़

==========

Source: 'Gulrez' - compiled by Mohd. Yousuf Teng and 'Kashmiri Zaban Aur Shairi, Vol: 3' - authored by Abdul Ahad Azad, publications of J&K Academy of Art, Culture & Languages, Srinagar.
Condensed and Transformed version by M.K.Raina.
Work completed on 1.1.2005. Revised 15.11.2005

परिचय

मसनवी गुलरेज़ को कश्मीरी साहित्य में एक उत्तम स्थान हासिल है। मकबूल शाह क्रालवारी की यह मसनवी कश्मीरियों में जितनी लोकप्रिय हुई, उतनी और कोई मसनवी नहीं हो सकी। यद्यपि मकबूल शाह क्रालवारी से पहले महमूद गामी ने फारसी साहित्य की दूसरी प्रसिद्ध रचनायें जैसे यूसुफ ज़ुलेखा, लैला मजनून, शीरीं खसरौ आदि को कश्मीरी पैरावे में ढाल कर मसनवी को एक ऊंचा स्थान दिलाया, लेकिन मकबूल शाह की यह रचना उन सब से भिन्न और उन सब से ऊपर है। गुलरेज़ के बारे में मुहम्मद यूसुफ टेंग साहब लिखते हैं कि यह मसनवी वास्तव में कश्मीरी साहित्य की दुल्हन की मांग का टिका है। इस बात से भी किसी को इनकार नहीं कि मकबूल शाह की यह रचना मूल फारसी रचना से भी बहुत आगे निकल गई है। टेंग साहब के खयाल में जिन साहित्यकारों ने मकबूल के बाद भी फारसी रचनावों को कश्मीरी ज़बान में पेश किया, वह भी मकबूल की बराबरी नहीं कर सके।

गुलरेज़ की दास्तान मूलतः फारसी भाषा में ज़िया उद्दीन नख्शबी ने लिखी है। यह दास्तान इतिहास से सम्बन्धित कोई घटना नहीं है बल्कि एक काल्पनिक कथा है। मकबूल शाह क्रालवारी ने इस दास्तान को कश्मीरी काव्य का रूप कब दिया, निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। एक अनुमान के मुताबिक मकबूल शाह ने गुलरेज़ १८८७ में लिखी जब उन की आयु लगबग ५० साल की थी। कुछ लोगों का खयाल है कि उन की मृत्यु १८९७ में हुई जब वह तकरीबन ६० साल के रहे हूंगे। लेकिन हामदी कश्मीरी के खयाल में मकबूल शाह १८२० में पैदा हुऐ और १८५५ में ३५ साल की छोटी आयु में ही चल बसे। एक और प्रसिद्ध साहित्यकार अब्दुल अहद आज़ाद का कहना है कि मकबूल शाह की मृत्यु १८७५ में हुई।

मकबूल शाह का जन्म बडगाम तहसील में नागाम के निकट एक गांव क्राल वारी में हुआ। उन के पिता का नाम ख्वाजा अब्दुल कदूस था। मकबूल को पीर मुरीदी का काम अपने पिता से विरासत में मिला लेकिन अपनी बीमारी की वजह से वह इस काम में पूरा ध्यान न दे सके। मकबूल शाह को मिली जागीर में दो तीन गांव भी थे लेकिन वहां के निवासी खुद बहुत गरीब थे। इसलिये उन की तरफ से भी मकबूल शाह को कोई राहत नहीं मिली। नतीजा यह हुआ कि कोई खास आमदनी न होने की वजह से उन्हें ज़बरदस्त गुरबत ने आ घेरा। अपनी बेचारगी को मकबूल शाह ने कुछ इस तरह ज़ाहिर किया है :

पज़रान गुलन आरुवलन हाय गरीबी, गाशस छॅ करान गट्, तापस छ़ाय गरीबी

मकबूल शाह की दरिद्रता का यह आलम था कि छोटी मोटी मदद के लिये भी वह सरकारी अफसरों के पास कविता में लिखी हुई याचना लेकर जाते और उन्हें सुनाते। इस सिलसिले में उन की कविता के रूप में लिखी हुई एक याचना जो फारसी भाषा में लिखी गयी है, बहुत मशहूर है। यह याचना उन्हों ने एक सरकारी मुलाज़िम पंडित अमर नाथ को पेश की थी जिस में उन्हों ने अपनी फसल को महफूज़ करने के लिये सरकार से प्रार्थना की थी।

गरीबी से तंग आकर मकबूल शाह ने आखिरकार थोडे में ही गुज़ारा करना सीखा और अपनी किस्मत को ईश्वर के हवाले कर दिया:

यि म्याने कुसमतु तॅम्य् आसि ल्यूखमुत
ति वात्यम तॅस्य् अथ्यन यॅम्य् आसि जॉखमुत

मकबूल शाह बचपन से ही बीमार रहते थे। बाद में उन्हें टी बी हुआ। वह दूध और फालूदा खाकर गुज़ारा करते थे। समय गुज़रते उन का जिगर भी कमज़ोर होने लगा। अपने अंतिम दिनों में वह नमक भी नहीं खा सकते थे। अपने दुख का हाल उन्होंने कुछ इस तरह से बयान किया है:

इलतौ छुस हॅरि ब्वन आवुरमुतन, ज़िलतन मॅसीबतन तल ह्यॉतमुतन
कांह ति म्वकलन पाय छुम नु च़ॅ सिवा, या मुहम्मद मुसतफा बख्शुम शफा

गुरबत, लाचारी और बीमारी के अलावा भी कुदरत ने मकबूल शाह के लिये बहुत कुछ लिखा था। बहुत समय तक मकबूल के अपनी कोई औलाद नहीं हुई। मजबूर होकर उस ने अपने भतीजे मुस्तफा शाह को गोद लिया। मुस्तफा शाह भी उच्च स्तर की शायिरी करता था। उस की एक कविता से लिये गये यह पद उस की मधुर रचनाओं का अनुमान कराती हैं।

मस चॉवुथस मयखानु, जानानु यिहम ना । व्यसुरॉवुथस मस्तानु, जानानु यिहम ना।।

मे रॊय होवुथ दूरि दिल ह्यथ च़ॊलुहम च़ूरो । फलवा गॅयस देवानु, जानानु यिहम ना।।
कस निशि लॊगुय रस, किथु त्रॉवुथस बेकस । बेगानु छी हमखानु, जानानु यिहम ना।।

मगर अभी मुस्तफा शाह पूरी तरह खिल भी नहीं पाया था कि कुदरत ने उसे १८-२० साल की आयु में ही इस दुनिया से उठा लिया। मुस्तफा शाह की मृत्यु से मकबूल की हालत और भी खराब हो गई। उन की बिगडती हालत का अंदाज़ा उन की मसनवी से ही ली गई इस पंक्ति से बखूबी होता है:

शगूफस शीन गुलज़ारस कृहुन प्योम
या
हॉंदुर लॉगिथ नॅंदुर पॉविथ च़ॊलूहम, फिराका ललुवुन थॉविथ च़ॊलूहम
खरीदारो कम्यू बाज़ारु छ़ारथ, मे तावन पोवथम कमि वानु गारथ

इस तरह की ज़िंदगी गुज़ारते हुये भी मकबूल शाह किस तरह गुलरेज़ जैसी शाहकार मसनवी लिख सके, इस बात पर सब को हैरत हैं। शोहरत और लोकप्रियता के लिहाज़ से कश्मीरी साहित्य में मसनवी गुलरेज़ का वही स्थान है जो फारसी शायिरी मे जामी की यूसुफ ज़ुलेखा और निज़ामी की शीरीन खसरौ को हासिल है, या दीवानों में दीवाने हाफिज़ शीराज़ी को हासिल है। कश्मीरियों में गुलरेज़ कितनी लोकप्रिय हुई, इस का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि १९४६ तक इस मसनवी के १८ संस्करण बिक चुके थे। तब से लेकर आज तक इस किताब के कितने ही और संस्करण छप कर बिक चुके हैं।

मुस्तफा शाह की असमय मौत से मकबूल शाह टूट चुका था। शायद कुदरत की तरफ से भी उन की यह हालत न देखी गई और आगे चल कर उस के अपने दो बच्चे हुऐ, एक लडकी और एक लडका। लडकी की शादी कलाशपोरा, श्रीनगर के एक पीरज़ादा खानदान में हुई थी। लडके का नाम पीर अली शाह था। कहते हैं मकबूल शाह की मृत्यु के समय पीर अली शाह की आयु केवल ६ महीने की थी। इस बात से यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि मकबूल शाह ६० साल की आयु में नहीं बल्कि ३५ साल की आयु में ही गुज़र गये हूंगे और गुलरेज़ भी उन्होंने छोटी आयु में ही लिखी होगी।

गुलरेज़ के अलावा मकबूल शाह ने जो रचनाऐं लिखी, उन में ग्रीस्य् नामु, बहार नामु, पीर नामु, मनसूर नामु व यूसुफ ज़ुलेखा प्रसिद्ध हैं। अब्दुल अहद आज़ाद ने उन की दूसरी

कविताओं का संग्रह कुलियाते मकबूल के नाम से भी प्रकाशित किया है। कहा जाता है कि मकबूल शाह ने आब नामु, बे-बूझ नामु और नार नामु नाम से तीन और किताबें लिखी हैं, मगर उन का कोई अता पता नहीं है। गुलरेज़ केवल मकबूल शाह का सब से बडा कारनामा ही नहीं है बल्कि कश्मीरी साहित्य में भी इसे एक ऐसा स्थान हासिल है जिस की बराबरी शायद ही कोई और मसनवी कर सके।

मकबूल शाह क्रालुवारी की मसनवी गुलरेज़ पूरी की पूरी काव्य रूप में है जिस की भाषा मिश्रित कश्मीरी और फारसी है। हम गुलरेज़ी की कथा को संक्षिप्त कश्मीरी गद्य रूप में ढाल कर आप के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि देवनागरी-कश्मीरी पढने वाले लोग भी मकबूल शाह की इस रचना का आनन्द ले सकें। मसनवी के कुछ ऐसे महत्वपूर्ण पद जो कश्मीरी भाषा में हैं और जो कहानी की निरंतरता को बरकरार रखने में सहायक हैं, उन को कहानी में शामिल किया गया है। इन पदों को शामिल करने का एक उद्देश्य यह भी है कि पढने वाले को असली मसनवी की मधुर शैली का कुछ हद तक अंदाज़ा हो जाये।

इस मसनवी में एक कविता उस घटना को दर्शाती है जब कहानी की नायिका नोश लब नींद से जाग जाती है और नायक अजब मलिक को पास में न पाकर विलाप करती है। यह प्रसिद्ध कविता *"सुबुह फॉल, बुलबुलव तुल शौरो गौगाह, गॅयस बेदार मुच़र्यम चॅश्मे शहला"*, जिसे कश्मीरी काव्य में एक उच्च स्थान हासिल है और जो कश्मीरियों में बहुत ही लोकप्रिय है, इस संक्षिप्त रूपांतर में भी पूरी की पूरी पढने को मिलेगी। प्रसिद्ध लेखक श्री टी.एन.कौल इस कविता के बारे में लिखते हैं :

"(It is) a masterpiece of sorts and the most splendid example of his (Karalwari's) art, which has remained unsurpassed so far. The 60 odd couplets deftly absorb and express the passionately intense yearning, pain and anguish ever suffered by a woman in Kashmir's literary history, Habba Khatoon and Arnimal notwithstanding."

□□□

दास्तान-ए-गुलरेज़

□ मॉसूम शाह तु ख्वश रंग जानावार □

नखश्ब शहरस मंज़ ओस अख बादशाह। नाव ओसुस तैफूर शाह। तैफूर शाहस ओस माल जादाद स्यठाह मगर औलाद ओसुस नु कांह। औलादु सुंदि खॉतरु रूद सु द्वहस रातस ख्वदायस कुन ज़ारु पारु करान। ऑखुरकार गॅयि तसुंज़ मुराद पूरु तु तस ज़ाव अख लॅडकु।

दुआ तॅम्य् सुंद सपुन अज़ हक इजाबथ, कोरुन तस ताज़ु फरज़ंदाह इनायथ
थनु प्यव माजि निशि ज़न काजकुय रौ, वुछिथ तैफूर शाह मससूर क्याह गौ

लॅडकस आव नाव थवनु मॉसूम शाह। शाहज़ादु ओस स्यठाह ज़ॅहीन। तस आयि थदि कुसमुच तरबियथ दिनु तु सॉरी ह्वनर तु कमाल हेछिनावनु। अकि द्वह ओस सु अख रँगीन महफिल सजॉविथ बिहिथ:

द्वह अकि मजलिसाह रँगीन व आला, वॅरुन बरपाये बा अरकानि वाला
ज़ि हर गूनाह मय्यसर ऑश थोवुन, रबाबो मतरबो मय मंगनोवुन

मजलिसि मंज़ ऑस्य् साज़ वज़ान तु ख्वश यिवुन्य् नगमु ऑस्य् जॉरी। ॲथ्य् मंज़ पेयि मॉसूम शाहस पशस कुन नज़र। अति वुछुन अख ख्वश रंगु जानावार बिहिथ।

दरीचि किन्य् कोरुन बामस नज़ारा, अजब ख्वश रंग ड्यूठुन जानवारा

शाहज़ादस आव यि जानावार स्यठाह पसंद तु सु गव तस रटनु खॉतरु बेताब। दरबार्यव येलि शाहज़ादु सुंज़ बेकरॉरी वुछ, तिमव ह्येत सु जानावार रटनुक संज़ करुन। दरबार्यव वॅर्य तस रटनु खॉतरु रंगु रंगु छ़ल। कुसमु कुसमुक्य् दानु त्रॉविहॅस, मगर जानावार लोग नु ज़ालस।

दॊपुस फीरिथ वॅज़ीरव ऐ जहांदार, करव क्याह अॅस्य् रटुन अॅम्य् सुंद छु दुशवार

व्वन्य् ह्यॊत जानावारन वुडव करनुक संज़ करुन। शाहज़ादु गव ज़्यादय बेकरार। तॅम्य् ह्यॊत पनुन वछ च़ेटुन। सु गव यकदम थॊद वॅथिथ। तसुंदिस ताजस लॅज ग्राय तु तमि मंज़ु पॅयि केंह म्वख्तु दानु पथर। म्वख्तु वुछिथ तुज जानावारन वुफ तु वॊथ म्वख्तु खेनु खॉतरु ब्वन कुन।

वुछिथ दुरदानु बॊर जानावरन चाव, गुज़ा तस ओस ती, तथ प्यठ वॅसिथ आव

जानावारु सुंद हाल वुछिथ सपुद दरबार्यन इतमीनान तु तिमव वॊन शाहज़ादस कुन, "व्वन्य् त्रॉविव तोह्य वसवास। असि लॊब अॅमिस जानावारु सुंद ख्वराक। व्वन्य् छु यि रटुन स्यठाह आसान।" दरबार्यव वाहरोव ज़ाल तु तथ मंज़ थॅविख म्वख्तु फॅल्य्। जानावार लॊग म्वख्तु खेनि तु दरबार्यव रॊट सु ज़ालस अंदर।

ब रगबत जानवारन म्वख्तु ह्यॊत ख्यॊन, ज़ि तमाहे खाम नफसन ज़ालु लोगुन

अमि पतु आव सु जानावार अॅकिस पंजरस मंज़ बंद वॅरिथ थवनु। शाहज़ादु मॉसूम शाह छु व्वन्य् दुनियाह त्रॉविथ अॅमिस जानावारु सुंदिस पंजरस ब्रोंठु कनि ब्यहान तु तस मुदय गॅंडिथ वुछान रोज़ान। केंह काल गॅछ़िथ त्रोव जानावारन ख्यन चन। शाहज़ादन अनुनॉव्य् रंगु रंगु म्वख्तु तु दितिन तस खेन्य्। मगर जानावार सपुद नु किहिन्य् ति ख्यनस तयार। मॉसूम शाह सपुद स्यठाह गमगीन। तॅम्य् ह्यॊत द्वह तु रात वदुन। जानावारन येलि मॉसूम शाहुन यि हाल वुछ, तॅम्य् ह्यॊत तस इनसानन हुंद्य् पॉठ्य मोदरि ज़बानि मंज़ पृछुन ज़ि च़ै क्याज़ि त्रोवुथ म्यानि खॉतरु दुनियाह तु गरुबार।

□ जानावार छु पनुन हाल बावान □

जानावारन वॊन मोसूम शाहस ज़ि हरगाह बु पनुनि असल शक्लि मंज़ आसुहॉ, बु करुहॉ शाहज़ादु सुंद गम दूर। मगर बु छुस वुन्य्क्यन जानावारु सुंदिस सूरतस मंज़, बु क्याह ह्यकु

तॉरीफव वरॉय वॅरिथ। जानावारस इनसानु सुंद्य पॉठ्य कथ करान वुछिथ गव मॉसूम शाह हॉरान। तॅम्य् वोन जानावारस ज़ि सु बॉविन पनुन हाल।

दोपुन तस जानवारस बहरे लिल्लाह, सिरस पनुनिस मे करतम वारु आगाह

जानावारन कोर कॅह वनुनस साफ इनकार:

दोपुस तॅम्य् जानवारन तोरु फीरिथ, वनय क्याह सिर पनुन, गछि फाश नीरिथ
मे य्वद मारख, जुदा अज़ तन गछ्यम सर, ति छुम बेहतर, तु सिर बावुन नु बेहतर

शाहज़ादु सुंद इसरार रूद जॉरी। मगर जानावार गव नु पनुन सिर बावनस तयार:

वुनिस तामथ कोरुम नु कांह खबरदार, चु छुख तवु निश द्वहन द्वन च़्वन हुंदुय यार
वनय य्वद सिर पनुन बूज़िथ ह्यकख नु, चु हरगिज़ ताबेह फहमीदन अनख नु
बु य्वदवय बावु बा मुरदम पनुन हाल, गछ़न सँगीन दिल वॉलिंजि परकाल

शाहज़ादन ह्योत नु पथ कॅह। येलि नु तॅम्य् थफुय तुज, जानावार सपुद मजबूर तु ह्योतुन वनुन:

बु पॅज़्य् किन्य् द्वख्तरे शाह पॅरी छस, बुर वॅरमुच़ चेय ही अॅक्य् जाफरी छस

"बु छस पॅरिस्तानुकि शहर बैयतुल-अमानुच बादशाह कूर। नाव छुम नोश लब। मॉलिस छुम नाव मशहूर शाह तु माजि छुम नाव गुलबदन बेगम।" यिथु पॉठ्य सपुज़ नोश लबि हुंज़ कथ शुरू।

□ नोश लबि हुंज़ कथ □

तुरकिस्तानस मंज़ ओस शाह बहगर्द नावुक अख बोड बादशाह। तस ओस अख नेचुव यस नाव ओस अजब मलिक।

प्रज़लवुन र्वख तसुंद ज़न माहे ताबां, वुछिथ काकल तसुंद्य सुंबल परेशान

अजब मलिक ओस बेयन शाहज़ादन खोतु ज़्यादु ऑकुल। तस ओस मजलिस आरॉयी करनुक स्यठाह शोख तु रॅफीकन तु ऑकलन मंज़ ब्युहुन ओस तस सख पसंद। अकि द्वह ओस सु यिथय पॉठ्य मजलिसि मंज़ बिहिथ ज़ि तस सपुद कम्युक ताम गमंड।

ब खॉतिर गव तॅमिस यिछ़ बज़मे बे गम, मे रोस्तुय आसि कुस वोथमुत ब आलम
वॅज़ीरन कुन दोपुन छुव बूज़मुत ज़ांह, मे ह्यू छा ओसमुत कांह शाह ज़ादाह

वॅज़ीरव वॅकरिहॅस स्यठाह तॉरीफ। दोपहॅस अज़ ताम छुनु कांह अखाह ति दर दुनिया च़े ह्यू वोथमुत। अमि पतु हेत्य् तिमव प्रथ आयि अजब मलिकुन्य् तॉरीफ करुन्य्। तसुंदि हुस्नुक्य् तॉरीफ, तसुंदि कदुक्य् तॉरीफ, तु तसुज़ि अक्लि हुंद्य तॉरीफ। अजब मलिक ओस तॉरीफ बूज़िथ स्यठाह ख्वश। मगर मजलिसि मंज़ ओस अख बुडु शख्साह। तस ओस नु वॅज़ीरन हुंज़ि कथि सुत्य् यितिफाक। तॅम्य् वोन वॅज़ीरन ज़ि तुहुंद वनुन छु सोरुय गलत। अगर तोहि पॅज़्य् पॉठ्य् कॉंसि हुंदि हुसनुक्य् तॉरीफ बोज़ुन्य् छिवु, तेलि बूज़िव मे निशि।

सिफत हुस्नुक्य् मे निश तुह्य बूज़्तव व्वन्य्, दपन कथ हुस्न, दम दिथ बूज़्यतव व्वन्य्
ब आलम छुस नु वुन्य्क्यन कांह ति सॉनी, बनेमुच़ तस छे हुस्नुच मेहरबॉनी

अमि पतु हेत्य् बुडु शख्सन ऑकिस ज़नानि हुंद्य तॉरीफ करुन्य्। तसुंद हुस्न, तसुंद कद, तसुंद्य र्वखसार, तसुंद्य ज़ूल्फ, तसुंद ड्यकु, तसुंज़ु बुमु, तसुंज़ु चेश्मु, तसुंद्य वुठ, तसुंद्य दंद, तसुंद्य गरदन, तसुंद सीनु, तसुंद्य अथु, तसुंद कमर, तसुंद्य कोठ्य, ज़ंगु तु ख्वर, गरज़ प्रथ कुनि तानुक्य् तॉरीफ हेत्य् तॅम्य् तमि आयि करुन्य् ज़ि बोज़न वॉल्य् गॉयि मसहूर।

बुर तिमु चेश्मु डीशिथ गॅय यॅंबरज़ल, च़ॅलिथ गॅयि हरनु, हांगल लॅग्य् ब जंगल
अवेज़ान छिस प्रज़लवुन्य् गोशि वाराह, निवान तिम ग्रायि सुत्यन होश वाराह
तसुंज़ गरदन वुछिथ शर अँज़ुन्यन गव, ख्यवान अफसूस, वन रॅट्यमुत्य् छि हरनव

तमि पतु वोन तॅम्य् बुडु शख्सन ज़ि तस हुस्नुचि पॅरी छु नाव नोश लब तु दुनियाहस मंज़ छुनु कांह तस बराबर।
अजब मलिकन येलि नोश लबि हुंद नाव तु तसुंदि हुस्नुक्य् तॉरीफ बूज़्य् सु गव देवानु।

ति बूज़िथ गव स्यठाह शहज़ादु बेताब, खयाले ऐश-ो-शॉदी गव तॅमिस खाब

तसुंदिस दिलस मंज़ आव गॉयबानु पॉठ्य नोश लबि हुंद लोल बरनु। तस रोव दिलुक स्कून तु बेकरार सपदिथ प्रुछ़ तॅम्य् बुडस तमि मुल्कुक नाव येति नोश लब रोज़ान ऑस। बेयि यि ज़ि स्व छा आदम किनु पॅरी ?

□ शाहज़ादस छु नोश लबि हुंद लोल सॅनिथ गछ़ान □

बुडन येलि शाहज़ादु सुंद इसरार वुछ, तॅम्य् द्युतुस जवाबः

दोपुस तॅम्य् बुड्य, जज़ीरस मंज़ छु मुल्खाह, तम्युक आबो हवा बिसियार दिल ख्वाह
पॅरिस्तानाह अजायिब दर जहां छुय, च्यतस थव नाव तथ बैयतुल-अमान छुय
पॅरी पैकर बसान तथ जायि गाहस, दपान मशहूर शाह छुख नाव शाहस
कुनिय छस कूर यस छुस नोश लब नाव, ति बूज़िथ शाहज़ादन कूत बोर चाव

अजब मलिक सपुद नोश लबि हुंद दर्शुन करनु खॉतरु व्यन्य् बेताब। तस रोव दिलुक करार तु सु ह्योतुन नोश लबि हुंदिस लोलस मंज़ देवानु गछ़ुन।

व्वलो माशोकु मोरुस दूरिरन चॉन्य्, कोरुस अज़ दिल बु आवारु ड्यकु लॉन्य्
मे न्यूथम च्यूरि दिल रूज़िथ च्रे दूरे, ललुवुन छुम ज़लुवुन नार मूरे

अजब मलिकुन्य् हालत वुछिथ द्युत बादशाहन तसुंज़ि दिल बहलॉयी खॉतरु साज़ो नगमुच महफिल सजावनुक होकुम। सेतार व संतूर लॅग्य् वज़नि मगर शाहज़ादस लोग नु कुनि सुत्य् दिल। तस ऑस सिर्फ नोश लब ॲछन तल। शाहज़ादु ओस खून हारान तु व्यदाख दिवान। तॅम्य् अनुनोव बुडु शख्स बेयि नाद दिथ तु कोरनस ज़ारु पारु ज़ि नोश लबि हुंज़

वनतम बेयि कांह कथाह। शाहज़ादु सुंज़ हालत वुछिथ सपुद बुडस स्यठाह अफसूस। तॅम्य् वॅर पानस मलामत ज़ि मे क्याज़ि वॅन्य् नोश लबि हुंज़ कथ शाहज़ादस। व्वन्य् गोछुम नु शाहज़ादु सुंद मार खसुन मटि:

करेयम क्याज़ि यिछ़ कथ पार यथ आम, च़ॅजिम कथ प्वख्तु ऑसिथ द्रास बो खाम

बुडन ह्यॅच़ शाहज़ादस गांगल करनु खॉतरु तस अख नॅव दॅलील बोज़ुनावुन्य्, मगर शाहज़ादु ओस नु बेयि किहिन्य् बोज़नु खॉतरु तयार। सु ओस सिर्फ नोश लबि सुत्य् मुलाकात करनस बेकरार।

व्वलो अॅश्को अॅछन अंदर करय जाय, मे कोरथम क्याह गमुक ज़ोलानु दरपाय
च़ु य्वदवय आशकन प्यठ तीर त्रावख, ब यक तीरे निगाह लछ खून हारख

अजब मलिक रूद द्वहस रातस नोश लबि मुतलिकुय सोंचान तु रिवान। तसुंज़ हालत हेचुन वारु वारु खराब सपदुन्य्। तसुंद्य सॉरिय वॅज़ीर क्योहो रॅफीक गॅयि तस समजावुनस मंज़ तु अमि नारु मंज़ु कडनस मंज़ नाकाम। अजब मलिकस ऑस अकॉय कथ सनेमुच़ ज़ि मे कर सपदि पनुनिस माशोकु सुंद दीदार। अमि वरॉय ओस नु सु किहिन्य् ह्यकान सूंचिथ।

छाव गुल रोयि गुलज़ार, हाव दीदार लॅतिये
थाव कन बोज़तम ज़ार, हाव दीदार लॅतिये
सु चोन ऑयीनु य्वखसार, वुछिथ गॅय गुल ति मॅतिये
मे थोवथम बर जिगर खार, हाव दीदार लॅतिये

आखरस गव यिमय नालु दिवान दिवान अजब मलिक ब्यमार तु प्यव दर बिस्तर। नेंदुर रॉवुस तु ख्यन चन मोठुस। द्वह पतु द्वह ह्योतुन तस पान ह्वखुन। वॅज़ीरव कॅर बादशाहस शेछ।

खबर दिच़ शाह बहगर्दस वॅज़ीरव, जिगर गोशि तुहुंद बेमार अज़ गव

बादशाह आव लारान लारान। शाहज़ादु वोथ नु मॉलिस वुछिथ थोद केंह तु न कोरनस तसलीम। तस ऑस्य् जामु च़ॅटिथ तु बुथिस मातम। नेचिव सुंद हाल वुछिथ ह्योत बादशाहन ॲछव किन्य् खून हारुन। तॅम्य् बुलोव अख दाना तु कॉबिल हॅकीम मॅहल खानस मंज़।

कोरुन रॉही हॅकीमे तेज़ दॉनिश, च़ु वुछतस नब्ज़ करतस आज़मॉयिश

हॅकीमस ओस स्यठाह तजरुबु। तॅम्य् वुछ शाहज़ादस नब्ज़। हेरि प्यठु ब्वन ताम दिच़नस नज़र। मगर शाहज़ादस मंज़ आव नु कुनि कुसमुक कांह जिस्मॉनी दोद लबनु। हॅकीमस ओस नु शाहज़ादु सुंद अँदरिम दोद मोलूम। तॅम्य् ह्योक नु शाहज़ादस यलाज वॅरिथ।

हॅकीमस ॲश्कुनुय दोद गव नु मोलूम, यलाज़ुच वथ लॅबुन नु गव सु महरूम

शाहज़ादन वोनुसः

दोपुस तॅम्य् ऐ तबीबे तेज़ फितरत, यियी कर ॲश्कु दॉदिस रास हिकमत
मे ॲश्कुन दोद छुम क्या यथ छु चारु, ज़ि दरदे यार गोमुत छुस अवारु

हॅकीमस येलि शाहज़ादु सुंदि असली दाद्युक पय लोग, सु गव बादशाहस यि शेछ बावनि। बादशाहन प्रुछुस अम्युक यलाज। हॅकीमन वोनुस ज़ि कांह त्युथ रॅफीक गछि शाहज़ादस निश सोज़नु युन, युस तस निशि यि राज़ नोन कडि। येलि यि पताह लगि ज़ि शाहज़ादस कसुंद ॲश्कु दोद छु, तेलि ह्यकव तसुंदि दाद्युक यलाज छाँडिथ। बादशाहन बुलोव अख दाना वॅज़ीर। दोपनस, च़ु गछ़तु शाहज़ादु सुंद हमदर्द बॅनिथ तु तस निशि अनतु तसुंदि दाद्युक राज़ कॅडिथ।

□ वॅज़ीर छु शाहज़ादस समखान □

वॅज़ीर वोत शाहज़ादस निशि तु लोग यि मोलूम करनि ज़ि शाहज़ादस कॅम्य्सुंद दोद छु। माय लॉगिथ वोनुनस ज़ि मे करतु पनुनिस सिरस वॉकुफ।

वोन वॅज़ीरन शाहज़ादस:

गोमुत कस छुख च़ु आशक बावतम सिर, करन च़ेय ब्रोंठकुन दरहाल हॉज़िर
ब़ु वालन आसि य्वद प्यठ आसमानस, दिमय छ़ॉरिथ ॲनिथ सॉरिस जहानस

वॅज़ीरु सुंज़ि रफावॅच़ सुत्य् गव शाहज़ादु नर्म। तॅम्य् बॉव स्व सॉरुय दॅलील वॅज़ीरस, य्वसु तॅम्य् बुडस निशि बूज़मुच़ ऑस। वॅज़ीर गव हॉरान तु परेशान। तॅम्य् ओस न तस बादशाह सुंद नाव ज़ांह बूज़मुत तु न कौंसि नोश लबि हुंद। वॅज़ीरस गव यकीन ज़ि बुडन छि शाहज़ादस अपुज़ दॅलीलाह वॅन्य्मुच़। तॅम्य् ह्योत शाहज़ादु समजावुन।

वुनिस ताम कौंसि हुंज़ि ज़ेवि छुनु द्रामुत, न नामे नोश लब दर गोश च़ामुत
गुमान छुम बुड्च गलत वोनमुत छु बे शख, अजब मलिकस ति बूज़िथ खॅच़ स्यठाह च़ख

अजब मलिकुन्य् च़ख वुछिथ वोन वॅज़ीरन शाहज़ादस कुन:

दुबारु शाहज़ादस दोप वॅज़ीरन, छु कर शायान शाहन तय ॲमीरन
ज़नानन हुंद रटुन दर दिल मुहब्बत, कनव बोज़ुन गछ्छुन बरबाद तथ पथ

शाहज़ादस गव नु वॅज़ीरु सुंदि समजावनु सुत्य् कांह असर। शाहज़ादु रूद पनुनि कथि प्यठ डॅटिथ। वॅज़ीरन लॉज तस ज़नानन हुंज़ि बे वफॉयी प्यठ अख दॅलील वनुन्य।

□ हज़रत ईसा तु जवान □

दपान अकि द्वह ओस हज़रत ईसा वति पकान। ॲकिस जायि वॉतिथ वुछ तॅम्य् अख मरगुज़ार तु पोरुन तति फातेह। मरगुज़ारस मंज़ वुछुन अख जवान इनसाना वदान। जवान ओस स्यठाह कमज़ोर तु नोतवान। वॅद्य वॅद्य आसु तस ॲछ स्वतेमच़ु तु बासान ओस ज़ि द्वखव दाद्यव छु सु पूर पॉठ्य वोलमुत। हज़रत ईसा गव तस जवानस ब्रोंठकुन तु प्रुछ़नस

वदनुक वजह। जवानन दॊपुनस म्य ऑस टॉठ तु रॅफीक ज़नानु, स्वय गुज़रेयम। बु छुस तसुंदि दादि गॊलमुत तु तवय छुम मातम।

व्वं छुस प्रारान क्जा कुनि किन्य् यियम ना, ब जल्दी तस रॅफीकस निश नियम ना
तॅमिस रॊस्तुय यियम क्याह जुव मे दरकार, तॅमिस रॊस्तुय लसुन म्योनुय छु दुशवार

जवानु सँद्य व्यदाख बूज़िथ आव हज़रत ईसा हस स्यठाह आर। जवानस दॊपुन ज़ि मे हाव स्व कबर येति स्व दफन छि। यि बूज़िथ तंबुल्यव जवान। तस डॅल्य् मगुज़ तु रोवुस ह्यसुय। ॲथ्य् मच़रस मंज़ कॊर तॅम्य् ॲकिस कबरि कुन इशारु।

हज़रत ईसा गव तथ कबरि प्यठ तु कॊरुन म्वरदु ज़िंदु। कबर प्रॉटिथ द्राव तमि मंज़ु अख यहूद्य। यहूद्य सुंद जिस्म ओस दज़ान नारस मंज़ तु बदन ओसुस सियाह गोमुत। यि वुछिथ प्रुछ़ हज़रत ईसाहन तस ज़ि च़ु कथ प्यठ छुख यिथिस अज़ाबस लॊगमुत।

दॊपुस तॅम्य् तोरु या ईसा वंदय जान, गॊमुत ओसुस ज़ि दुनिया ना मुसलमान
च़ु ऑनुनख खॉलिकन व्वन्य् म्यानि बापथ, दपुम कॅलिमु च़ल्यम द्यव दागि लानथ

हज़रत ईसाहन परनोव यहूद्य वॅलिमु तु बनोवुन मूमिन। अमि पतु प्रूछ़ हज़रत ईसाहन जवानस ज़ि च़ु ओसुख वनान अथ कबरि मंज़ छि चॉन्य् ज़नानु, तु कति छय? च़े वॊनथु मे अपुज़, किनु कबर हॉवुथम गलथ? जवानन दॊपुस, बु ओसुस डॊलमुत तु मे हॉव गलथ कबर। अमि पतु हॉव जवानन हज़रत ईसाहस असली कबर। हज़रत ईसा गव तथ कबरि निशि तु वॅरुन दुआ। कबरि मंज़ु द्रायि अख खूबसूरथ ज़नानु न्यबर। जवानस फ्यूर बुथिस रंग तु बॉच़व द्वयव बॊर अख ॲकिस स्यठाह लोल।

जवानन तस दॊपुन माशोकु म्याने, मे ऑसिम पारु गॉमुत्य् दादि चाने

जवान तु तसुंज़ ज़नानु युथुय गरु कुन हेतिन पकुन्य्, तिमन गॅयि पादशाह सुंद्य सिपाह नज़रि। अमि मुल्कुक शाहज़ादु, यस सॉरिस नाव ओस, ओस गरदिश वॅरिथ वापस मॅहल खानस कुन पकान। तस पेयि जवानु सुंज़ि ज़नानि प्यठ नज़र। तसुंद हुस्न वुछिथ सपुद

शाहज़ादु बेताब। हुपॉर्य पॆयि तस ज़नानि ति शाहज़ादस कुन नज़र तु तस ति गव दिल नीरिथ। शाहज़ादन वॊन जवानस ज़ि च्रु छुख च़ूर। च़े दिच़ुथ मॅहल खानस सन। यि ज़नानु छि म्यॉन्य् कॅनीज़ तु च़े छथन यि म्यानि महलु खानु मंज़ु चूरि नीमुच़।

जवानस शाहज़ादन दॊप च्रु छुख च़ूर, दिच़ुथ सन मॅहल खानस, छा यि दस्तूर

जवानन गँड्य शाहज़ादस गुल्य्। दॊपनस बु छुस नु च़ूर। यि छि म्यॉन्य् ज़नानु तु यि ऑस स्यठाह कालुच मूमुच़। अज़ हॉव ख्वदायन पनुन्य् क्वदरथ तु कॅरुन यि ज़िंदु। शाहज़ादस खॊत सख ख्शमु।

दॊपुस शाहज़ादन ऐ दुज़दे तबाहकार, मूलय अज़ जानि ख्वद छुय नु यिवान आर
तुलुस थफ वथ पनुन्य् रठ नतु मारथ, अथु त्राव व्वन्य् नतु बरदार खारथ

जवानन त्रॉव ज़नानि कुन नज़र मगर स्व ऑस यीतिस कालस फीरिथ गॉमुच़। तमि वॊन शाहज़ादस ज़ि बु छस पॅज़्य् पॉठ्य शाहे आलम सुंज़ कॅनीज़। बु ॲनिनस यॆम्य् च़ूरन मॅहल खानु मंज़ु च़ूरि कॅडिथ। यि बूज़िथ च़ॅज जवानस ख्वरव तलु म्यॅच़ नीरिथ।

ज़नानि हुंज़ कथ बूज़िथ ह्यॊत जवानन पनुन वछ च़ेटुन मगर ज़नानि गव नु कांह असर। स्व द्रायि शाहज़ादस
सुत्य। जवान पॊक ज़नानि पतु पतु तु ह्यॊतुन ॲछव किन्य् खून हारुन।

रिवॉनी तस कुनथ लॊग करनि विलुज़ार, पॆयस शायद दिलस रहमा यियस आर

मगर ज़नानि प्यठ गव नु तसुंदि विलुज़ारुक कांह असर। स्व द्रायि शाहज़ादस सुत्य् तु पथ कुन दिच़ुन नु नज़र ति। जवानन ह्यॊत स्यठाह वदुन। अमि पतु गव सु बॆयि हज़रत ईसाहस निशि तु वॅनिन तस सॉरुय दॅलील। यि कथ बूज़िथ गव हज़रत ईसा स्यठाह हॉरतस। सु द्राव जवानस सुत्य तु वोत तस ज़नानि निशि। हज़रत ईसाहन दॊप तस ज़नानिः

खबर छयि कुच खॉरी तुज़ुन च़ेय पथ, पतव लाकन च़ु द्रायख बद तॅबीयथ
परन प्यस बेॅयि यि ॲमिसुय कुन टिकॉनी, ॲमी दॉवुय दुबारु ज़िंदुगॉनी

ज़नानि वॅर हज़रत ईसाहस निशि ति स्वय अपुज़ कथ बयान ज़ि बु छस पादशाह सुंज़ वॅनीज़ तु ॲम्य् जवानन ऑसुनस बु च़ूरि नीमुच़।

ॲमिस सुत्यन बु शाहज़ादन प्रज़ुनस, बदौलत खानु पानस सुत्य् ॲनिनस

यि बूज़िथ तुल हज़रत ईसाहन आसमानस कुन अथु तु कोडुन तस ज़नानि वोहव। ज़नानु पेॅयि वॅसिथ तु बनेयस म्यॅच़।

□ वॅज़ीर छु शाहज़ादस समजावान □

दॅलील बोज़ुनॉविथ वोन वॅज़ीरन अजब मलिकस ज़ि वुछ तु तॅम्य् जवानन कुच़ाह खॉरी तुज तस ज़नानि खॉतरु, मगर हॉसिल क्याह आस? ज़नानु छि बे वफा आसान तु तस छनु माय रोज़ान।

ज़नानाह हॉल तु स्योद बोज़िय नु हरगिज़, ज़नानव ॲनिमुत्य् दाना छि ऑजिज़

अमि पतु लोग वॅज़ीर तस नॅसीहथ करनि ज़ि च़े छथन नु नोश लब ज़ांह वुछमुच़ुय तु न छुय तसुंद हुस्न वुछमुत। तेॅलि कथ प्यठ छुख च़ु अफसूस तु आह करान? मगर अजब मलिकस गव नु असर कॅह। तॅम्य् वोनुस दर जवाब ज़ि माशोक य्वदवय बे वफॉयी ति करि, आशकु सुंज़ कॉम छे वफा करुन्य्।

छ्वकु लद गोस दिल छुम होशि डोलमुत, बु छुस तस यारु सुंज़ी मायि वोलमुत
दिमस फॅरियाद लायस नाद यारस, कत्यथ छुम वतु वुछान पतु लारस

वॅज़ीरस तोर फिकिरिह ज़ि शाहज़ादु छुनु कॉंसि हुंज़ कथ मानन वोल। सु द्राव वापस तु गव बादशाहस शाहज़ादु सुंद हाल बावनि। बादशाह गव यि बूज़िथ स्यठाह परेशान। तॅम्य्

ॲन्य् सॉरी दाना तु कॉबिल वॅज़ीर सॉबरिथ तु प्रूछ़नख ज़ि काँसि छा दर दुनिया नोश लबि हुंद नाव बूज़मुत? तिमव द्युतुस जवाब ज़ि ॲस्य् छि कोहिस्तानन, समंदरन, मॉदानन, जंगलन, गरज़ दुनियाहुकिस प्रथ अंदस फेरान रोज़ान। असि छु बिसियार मुल्कन हुंद सॉर कोरमुत, मगर यि नाव छुनु असि कुनि ति जायि कनन गोमुत। पादशाह गव यि बूज़िथ स्यठाह गमगीन तु ह्योतुन अफसूस ख्योन।

कुनुय ओसुम कुनी वॉजिम वुनु मे, स्व नय आस्यम दिलुक राहत छुनु मे

□ पादशाह छु शाहज़ादस निश यिवान □

पादशाह वोत खून हारान अजब मलिकस निशि। तॅमिस कोरुन दिलासा मदारा। सुती वॅरनस नॅसीहथ।

ॲछन हुंदि गाशि हा ख्वश बाशि म्याने, यि क्याह ओसुय च़ै ल्युखमुत करमु लाने
च़ु वनतम ऑश राहत क्याज़ि त्रोवुथ, ह्योतुथ मातम तु खलवथ खानु प्रोवुथ

पादशाह गव वनान। "च़ु हरगाह दुनियुहुक कांह ति ऑश आराम वनख, सु करय मयस्सर। हरगाह ज़ून छ़ांडख, स्व वालन बु चानि खॉतरु तारख ह्यथ ज़ॅमीनस प्यठ। मगर यसुंद च़ै लोल सन्योय, तसुंद छुनु कांह नेबाह निशानाह। अगर च़ु तोति वनख, बु सोज़न पनुन सोरुय लशकर तस छ़ांडुनस। तिम दिन वॅन्य् सॉरिसुय आलमस तु करन कूशिश तसुंद कांह पय पताह कडनस। मगर च़ु संबालतु पनुन्य् हालत। मे छि चॉन्य् सूरथ वुछिथ दिलस खंजर वसान।॥ शाहज़ादन द्युतुस जवाब:

छु लॉज़िम आश्कन लारुन ॲछव किन्य्, ब हर दम खूने दिल हारुन ॲछव किन्य्
ख्वरव सुत्यन पकुन छुनु शर्ते यॉरी, ब सर लारुन छु शर्ते दोस्तदॉरी

पादशाह गव स्यठाह दिल मलूल। तॅम्य् वोनुस बेयि:

खबर च्रे छय दोयुम मा छुम मे गोबराह, कुनुय च्रु ओसुहम वनतम च्रे गोय क्याह
तवक्काह ऐ पिसर ओसुम मे चोनुय, च्रु थावख ज़िंदु मेय पतु नाव म्योनुय
करख बर तख्ते शॉही कामरॉनी, रटख मालो खज़ानु जाय म्यॉनी

शाहज़ादस गव नु असर कैंह मगर पादशाह रूद तस कुन वनान। दोपुनस ऐ म्यानि टाठि गोबरु! च्रु छुख ना वुछान म्यॉन्य् ज़िंदगी छि ऑखरी पडावस प्यठ वॉच्रमुच्र। बु कोताह नोतवान छुस सपुदमुत। नर्यन ज़ंगन छुम ज़ुव द्रामुत। मे छु व्वन्य् श्रावनस पोह सपुदमुत। खबर कुस साथ आस्यम, येलि मे मोत तुलिथ नियि। म्यानि पतु छय यि ताजदॉरी चॉनिय। च्रे कर शूबी फलवा तु आशक गछ्रुन। चोन वजूद छु सिरिफ पादशॉही लायख।

यि कर ज़ोनुम च्रु त्रावख मुल्क तय माल, यि कर ज़ोनुम गछ्रख युथ खस्तै अहवाल

शाहज़ादु अजब मलिकस गव नु मॉल्य् संुज़व कथव सुत्य् कांह असर। सु ओस सिरिफ नोश लबि हुंज़ कथ बोज़नु खॉतरु तयार। बाकय दुनियाह ओस तॅम्य् त्रोवमुत। मॉल्य् संुज़ु कथु बूज़िथ गव अजब मलिकस तलवास। दोपुनस ऐ शाहे जवान बख्त! मे हिविस आशकस कथ छु ताजो तख्त बकार। म्यॉन्य् वथ छे बदल। मे छुनु बादशॉही सुत्य् कांह वासतय।

यिमु कथु बूज़िथ वसु पादशाहस दिलस श्राकु। तॅम्य् होत ॲछव किन्य् खून हारुन तु वदान वदान वोनुन शाहज़ादस बेयि:

च्रु थावुम कन करय बो रुच्र नॅसीहत, मतो च्रलतम होतो अमि ॲश्कु निशि पथ
थरे म्याने च्रु ओसुख टूर अड़ फोल, वुछान ओसुस च्रे कर वारि फोली गुल
कवो कोरथो च्रे म्यॉनिस श्रावुनस माग, बरय गोहम तु थोवथम बर जिगर दाग

शाहज़ादस गव मॉल्य् संुदि ओश त्रावनु सुत्य् स्यठाह असर। दिल सपदुस स्यठाह रंजीदु। दोपुन मॉलिस ज़ि ख्वदा थॅविनय मूजूद। बु यछ़ा पानय पानस खॉरी करुन्य्। मे ऑस नु कांह खॉहिश यि दोद पालनस। कांह येछ़्या नारस मंज़ पनुन पान ज़ालुन? बु ओसुस पानु

सबरुकुय चारु छ़ांडान, मगर पज़र गव यि ज़ि अॅम्य् अॅश्कन छुनम नु कांह होश थोवमुत। अमिय छम नु चॉन्य् कथ दिलस सनान:

बु ज़न मूदुस तु शाह ऑसिन सलामत, ब नेकी ज़िंदु रूज़िन ता कयामत
कोरुस लाचार अॅश्कन छुम नु तकसीर, मे लीखिथ दर अज़ल यी ओस तकदीर
मे अॅश्के नोश लब गव होश डॉलिथ, फिराकुक्य् आतशन थोवुनस बु ज़ॉलिथ

पादशाह रूद शामस ताम तस समजावान मगर अजब मॅलिक गव नु योरुकिस आलमस फेरनस तयार। पादशाह ओस नु तस त्रावनु खॉतरु तयार, मगर तसुंद हाल वुछिथ ति ओसुस वॉलिंजि ज़्यतु प्यवान।

शाहन दोपुनस छुहम चेश्मन हुंदुय गाश, कत्यू त्रावथ मे हो छम चॉन्य् बॅड आश

यि वॅनिथ द्राव पादशाह वछ च़ेटान वापस।

□ अजब मलिक छु रासखस राज़ बावान □

अजब मलिकस गॅयि राथ गुज़ारुन्य् बडु मुश्किल। तॅम्य् सूज़ पनुनिस द्वदु बॉयिस रासखस शेछ तु वॅनिन तस सॉरुय दॅलील। दोपुनस बु छुस यछ़ान वुन्य् नोश लब छ़ांडनु खॉतरु नेरुन मगर पादशाह छमु नु हरगिज़ इजाज़थ दिनस तयार। व्वन्य् छुहम चुय योत रॅफीक।

रॅफीकय छुख तु करतम गम गुसॉरी, छु यी दस्तूरो शर्ते दोस्त दॉरी
च़ पखतम सुत्य् करतम मेहरबॉनी, करुम यॉरी छुहम योद यारे जॉनी

रासख गव तसुंज़ हालत वुछिथ तस सुत्य् गछ़नु खॉतरु तयार। अजब मलिक गव ख्वश। तॅम्य् सूज़ बेयि ति केंच़न रॅफीकन सुत्य् यिनु खॉतरु पॉगाम तु ह्योतुख सफरस नेरनुक संज़ करुन।

□ अजब मलिक छु सफरस नेरान □

ऑखुरकारु वोत सु द्वह येलि अजब मलिक द्राव पनुन्युु यार दोस ह्यथ नोश लब छ़ारनु बापथ सफरस। गुर्यन आव माल तु खज़ानु बरनु। रॉत्य् रातस, कुनि जायि थख दिनु वरॉय रूद्य तिम पकान तु सुबहस गाश फ्वलनु वख्तु वॉत्य् तिम ॲकिस बियाबानस मंज़। पकान पकान ऑस्य् सारिनुय ख्वरन हठ खॅत्य्मुत्य्। काँसि ओस नु ताब या ताकत रूदमुत। अजब मलिक ओस वुनि ति नोश लबि हुंदिस फिराकस मंज़ अछव किन्य् खून हारान।

वनान ओस तालेहस कुन क्याह मे कॉरथम, फिराकुकि नारु सुत्यन सीनु बॉरथम
च़े क्याह कॉरमय बु कॉरथस खस्तु खॉतिर, ज़ि शॉही दौलतस कॉरथस मुसॉफिर

वॅरियाह अख गव यिमन पकान। ऑखुरस येलि क्रूठ सफर वॅकडिथ अजब मलिकुन्य् सॉथी छ़ेनिथ पेयि, शाहज़ादस बास्यव ज़ि तिहुंद ब्रोंह कुन पकुन छु स्यठाह मुश्किल। गुर्यन ति रूज़ नु बोर तुल्य् तुल्य् कांह सूरथ। अजब मलिकन कॉर रासखस सुत्य् सलाह मशवरु।

वनय बु मशवरु य्वद म्योन बोज़ख, मे सुती कालुचन हुशार रोज़ख
गछ़व ज़ुय ज़ॅन्य् रॅफीकन च़ूरि नीरिथ, ह्यमव वथ यिम गछ़न दर खानु फीरिथ

मगर रासखन मॉन्य नु अजब मलिकुन्य् कथ। दोपुनस च़ूरि नेरुन गव नु जान। सफर छु मुश्किल। हरगाह कुनि कांह खतरु आव तु क्याह करव। येति छु नज़दीखुय अख दॅरियाव। ॲस्य् गछ़व तूर्य्। सामानु त्रावव नावि मंज़ तु नेरव दॅरियावु मँज़िय सफरस। यिथु पॉठ्य लगि वख्त ति कम।

अजब मलिकस बासेयि रासखु सुंज़ कथ ठीक। सामानु तु गुर्य आयि नावि मंज़ त्रावनु। अदु सपुद समंदॅरी सफर शुरू। येति येति बॅस्ती ऑसुख नज़रि गछ़ान, तति तति ऑस्य् तिम नाव बॅठिस लॉगिथ बस्ती मंज़ अच़ान तु नोश लबि मुतलिक पताह करान। ख्वशकी प्यठ पकान ओस तिमन अख वॅरियाह लोगमुत। समंदरस मंज़ पकान गव बेयि अख वॅरी। मगर हॉसिल नदारद।

□ नाव छि समंदरस मंज़ यीरु गछ़ान □

अजब मलिकन कॉर बेयि सोंच तु वोनुन रासखस। ज़ु वॅरी गॅयि असि व्वन्य् पकान। यिमन द्वन वॅरियन कॉड नु असि अकिस पॅहरस ति थख। छुना सलाह, बेयि खसव बॅठिस प्यठ वापस तु बाकय सफर कडव ख्वशकी पेठिय। यिथु पॉठ्य ह्यकव बेयि प्रथ जायि वॅन्य् दिथ। वुनि ऑस्य् तिम यि कथ सोंचानुय ज़ि ज़बरदस्त वाव कॉडुन। समंदरस आव तूफान। यिहुंज़ नाव आयि तूफानस मंज़ ह्यनु तु गॅयि यीरु। तथ सुती पॅट्य अजब मलिकुन्य् सॉरी सॉथी ति पॉनिस मंज़, सामानु ति तु गुर्य ति।

मगर अजब मलिकस ओस नु वुनि क्वदरतन मोत ल्यूखमुत। तस लोग अख पचि तख्ताह अथस मंज़। सु खोत अॅथ्य् तख्तस प्यठ। अकि तरफु ओसुस ज़ुव अथस क्यथ ज़ि बु बचा किनु मरु। दोयिमि तरफु ओसुस पनुन्यन सॉथियन हुंदि मरनुक गम।

वदान ओस मुबतला छुस द्वन गमन मंज़, लोगुस कोत क्याह बन्योम ओसुस कमन मंज़
न बूज़ुम यारु सुंद पॉगाम नै नेब, पनुन्य् यिम सुत्य् ऑसिम गॉम तिम गॉब

अजब मॅलिकस ओस हालि बद। योत ताम नज़र ऑस पिलान, पोनिय पोन्य् ओस नज़रि गछ़ान। दूर दूर ताम ओस नु कांह ज़ुव या कांह ज़िंदु ज़ॉच़ नज़रि गछ़ान। अजब मॅलिक कुतिस कालस रूद पचि खंजि प्यठ यीरान, तम्युक लोग नु तस कांह अंदाज़ु। ऑखुरस वोत सु यीरान यीरान अॅकिस ज़ुविस प्यठ। बॅठिस प्यठ खॅसिथ आव अजब मलिक पथर लायिनु। तस प्यव पनुन रॅफीक रासख याद युस समंदरु बुज़्य् ओस गोमुत।

सु रासख गोम कोत युस यार ओसुम, सिरन महरम गमन गम ख्वार ओसुम

□ अजब मलिक छु मकानस अंदर अच़ान □

अजब मलिकन वॅर वारु वारु ह्यमथ तु ह्योतुन ब्रोंठ कुन कदम द्युन। बुथि ऑस नु कुनि कांह बॅस्तियाह नज़रि गछ़ान। अजब मलिक रूद द्वह वादन पकान। ऑखुर वुछ तॅम्य् अॅकिस जायि अख शांदार मकानु। शाहज़ादु गव केंछ़ा ख्वश तु केंछ़ा रूदुस दिलस खोफ।

मकानस निश वॉतिथ द्युतुन आलव मगर कांह सपुद नु ज़ॉहिर। अजब मलिकन सूंच ज़ि मकानु आसि खॉली। सु च़ाव मकानस अंदर। अति वुछ तॅम्य् अख शूबुवुन तु लूबुवुन तख्त। तख्तस प्यठ ओस कुस ताम शॉंगिथ। अजब मलिकन तुल खोच़ान खोच़ान तस नफरस वुरुन थोद। अॅछन ब्रोंह कनि गॅयस ज़न नारु ब्रेह पॉदु। तख्तस प्यठ ऑस अख हूर शॉंगिथ। अजब मलिकन ओस नु अज़ ताम युथ हुस्न वुछमुत। यि ऑस पॅज़्य् पॉठ्य ज़न तु जनतुच पॅरी। अजब मलिकस आव खयाल, यिहय मा छे नोश लब ?

ज़नानु गॅयी बेदार। अख नव जवानाह ब्रोंठु कनि वुछिथ गॅयि स्व हॉरान। दोपुनस, च़ु कुस छुख तु योत किथु पॉठ्य वोतुख ? योत छुनु कांह जानावार ति ह्यकान वॉतिथ। मे छु बासान च़ु छुनख पनुन्य् मोतन योर वातुनोवमुत। येति वापस फेरुन छु चोन स्यठाह दुशवार। अजब मलिकन वोनुनस:

छुनुम वावाह मे तकदीरन ब -नागाह, गोमुत छुस मारु वनतम चारु छुम क्याह
मुसाफिर छुस तु योत अलगॉबु वोतुस, मगर बर गश्तु बख्तुकि नेबु वोतुस
अर्ज़ छुम चानि खॅज़मच़ कर तु इनसाफ, कुनिय ज़ॅन्य् क्याज़ि छख सिर बावतम साफ
दोयुम कांह छुय नु सुत्यन यार हमदम, गुज़ा क्याह छुय पनुन्य् रुवदाद वनतम

अजब मलिक ओस हॉरान। "यथ शिन्याहस मंज़ न छु कुनि ज़न तु न ज़ाँपुन। बु आस यीत्य् मॉदान तु जंगल च़ॅटिथ, मगर कुनि गोम नु कांह ज़ीव ज़ॉच़ाह नज़रि।" तॅम्य् प्रुछ़ तस ज़नानि ज़ि ख्यनु चनु वरॉय किथु पॉठ्य छख च़ु ज़िंदु ? ज़नानि द्युतुनस जवाब ज़ि च़े छुय बद गुमानु। दय छु सारिनुय रिज़्क सोज़न वोल। मे ति सोज़ि सुय येम्य् बु योत वातुनावुनस तु येम्य् बु ज़िंदु थॅवनस।

□ मुसॉफिर तु जानावार □

ज़नानि बोज़ुनोव अजब मलिक अख दॅलील। दोपुनस अख शख्साह ओस। अॅमिस ओस अॅकिस शहरस गछुन। गरि ओस द्रामुत तेल ख्यथ। पकान पकान गोस स्यठाह गर्म। आराम करनु खॉतरु त्रोवुन अॅकिस कुलिस तल डाफ। अख तेल फोल ओस अॅमिस शख्सस दंदस मंज़ रूदमुत। अॅमिस पेयि प्वंद तु तेल फोल गव दंदु मंज़ु न्यबर नीरिथ तु

प्यव पथर। अख जानावार ओस कुल्य् लंजि प्यठ बिहिथ। तॅम्य् युथुय तेल फोल वुछ, सु वोथ लंजि प्यठु ब्वन तु न्यून ख्यथ। यिथु पॉठ्य् ख्वदा सॉबन तस जानावारस रिज़्क सूज़, तिथय पॉठ्य छु सु प्रथ अॅकिस सोज़ान।

अजब मलिकस रूद नु ज़नानि हुंज़ कथ बूज़िथ ताब। दोपुनस मे वनतु वारु, च़ु क्वसु छख ? च़ु छखु इनसान किनु पॅरी ? अथ सिरस करतम वॉकुफ।

□ नाज़ मस्ति हुंज़ दॅलील □

मकानस मंज़ योसु खूबसूरत ज़नानु कॉद ऑस, तस ओस नाव नाज़ मस्त। यि ऑस नोश लबि हुंज़ द्वदु बेनि। नाज़ मस्त ऑस अॅक्य् जिनन कॉद वॅरमुच़। नाज़ मस्ति वॅन्य् अजब मलिकस जिनु सुंज़ दलील। दोपुनस बु छस पादशाह कूर। मॉलिस छुम नाव सिपाह सालार तु सु छु मुल्के बहरीनुक पादशाह। म्यानि बेयिस बेनि छु नाव मस्त नाज़। ॲस्य् छि बाबु सॉबन लोलु सान रॅछिमुत्य्। बु ऑसुस पनुन्यन व्यसन हुंज़ ज़िठ तु सर्दार। बु ऑसुस अकि द्वह व्यसन सुत्य् गिदान। मे ऑस्य् कुमती ज़ेवर तु पलव नॉल्य्। अमिय वख्तु गव आसमॉनी अख जिन पॉदु। तॅम्य् तुजनस बु ज़मीनु प्यठु तु हवॉयी वुफान वातुनावुनस यथ ज़ुविस मंज़। येति वॅरनस यथ मकानस अंदर कॉद। म्यानि हालुच छनु मॅहलु खानस मंज़ कॉसि ति खबर। व्वन्य् वोतुम अक वॅरी यथ कॉद खानस मंज़ बंद। नजाथ लबनुच छम नु कांह सूरथ नज़रि गछ़ान।

ज़बरदॅस्ती निशि रॅछिनस ख्वदायन, मिनथ थॅवनम जदन प्यठ तॅम्य् ख्वदायन
अमारथ छय यि तस अफरीतु सुंज़ जाय, छु सरकश कॉसि हुंद कॅह छुस नु परवाय

नाज़ मस्ति हुंज़ कथ बूज़िथ च़ाव शाहज़ादस लरज़ु। तस फ्यूर बुथिस ज़र्द रंग तु दिलस प्योस सख गम। अजब मलिकन ह्योत च़लनुक संज़ करुन मगर नाज़ मस्ति द्युतुनस आलव। दोपुनस मे वुछ अकि वुहुर्य इनसानु बुथ। छुना सलाह, रछ़ाह बेहख मे निशि। अख कडख थख, बेयि करख मे सुत्य कथाह बाथाह। मगर अजब मलिक ओस बांबर्योमुत। दोपुनस मे छनु येति रोज़नुच फरागथ। दिलस छुम फ्रठ, यिनु ओरु जिन यियि

तु मॉरिथ त्राव्यम। नाज़ मस्ति दॊपुनस, जिन छु वुन्य् वुन्य् द्रामुत। वुनि छुस वापस यिनस वारियाह वख। लिहाज़ा त्राव च़ु लरज़ु तु पख ब्रोंठ कुन।

ग्वड़न्य् वन च़ुय पनुन्य् सॉरुय हॅकीकथ, कम्यू म्वखु पेश ऑयी यीच़ मॅहनथ
कम्यू बॉयिसु वोतुख यथ मकामस, बॅरिथ किथु च़ाख पानय कॉद खानस

अजब मलिकन वॊनुस बु छुस तुरकिस्तानुक रोज़न वोल। बु ओसुस अमि मुल्कुक शाहज़ादु। मगर मे त्रोव ताजो तख्त पनुन माशोक छ़ारनु बापथ। व्वन्य् वॉतिम ज़ु वॅरी तस छ़ारान मगर तसुंद छुम नु कांह पय पताह अथि लगान। अमि पतु वॅन्य् अजब मॅलिकन तस पनुन्य् सॉरुय दलील ज़ि किथुपॉठ्य् द्रास बु नोश लब छ़ांडनु खॉतरु सफरस तु किथु वोतुस बु पतव लाकन नाव पॅंटिथ यथ मकामस।

द्वहस रातस यिमन माहन तु वॅरियन, कॊरुम गरदिश बियाबानन तु शहरन
न थॉवुम कांह ति जाया कांह मकानु, तसुंद कुनि शायि ड्यूठुम नु निशानु

नाज़ मस्त गॅयि नोश लबि हुंद नाव बूज़िथ ख्वश। दॊपुनस यि मुसीबथ च़ै पथ कुन तुलुथ, सु मॅशराव। च़ु वोतुख व्वन्य् बराबर मकामस प्यठ। चानि खुशी हुंद मोकु आव। बु ज़ानन नोश लब। स्व गॅयि म्यॉन्य् द्वदु बॅनि। ॲस्य् छि यिकुवटु बडेमुत्य् तु तमि छु म्यानि माजि द्वद चोमुत। अजब मलिकस फ्यूर यि बूज़िथ रंग। दॊपुनस मे बोज़नावतु वारु तोह्य कति समखेवु पानुवॅन्य्।

शिनासॉयी गॅयी कति वारु वनतम, गछ़यम दिल शाद अज़ खॉतिर च़ल्यम गम

नाज़ मस्ति वॅनिनस नोश लबि सुत्य् मेलनुच दॅलील।

□ नोश लबि हुंदि ज़्यनुक हाल □

दॊपुनस अकि द्वह ऑस म्यॉन्य् मॉज म्यानि बॅनि मस्त नाज़ि क्वछि क्यथ रॅटिथ ल्वलु मतु लाय करान। अमिय सातु गॉयि तस ब्रोंठु कनि अख पॅरी शक्ल ख्वश पोश ज़नानाह पॉदु।

ॲमिस ज़नानि ऑस्य् शूबिदार ज़ेवर लॉगिथ। तमि वॅर म्यानि माजि कुन अदबु सान सलाम। म्यानि माजि ति वॅरनस वापस सलाम। स्व ज़नानु बीठ म्यानि माजि ब्रोंठु कनि। मस्त नाज़ नीनस अथु मंज़ु तु हेतिन तस म्वन्य् तु मीठ्य करुन्य्। अमि पतु ह्यौत तमि म्यानि बेनि पनुन द्वद चावुन। म्यानि माजि वोनुनस, मे वनतु च़ु क्वसु छख, नाव क्याह छुय तु योर किथु पॉठ्य आयख ?

पॅरी शक्ल ज़नानि ह्यौत वनुन। बु छस पॅरियन तु जिनन हुंज़ बादशाह बाय। नाव छुम गुलबदन। ॲकिस ज़ुविस मंज़ छु अख शहर यथ बैयत-उल-अमान नाव छु। तत्युक बादशाह चू मशहूर शाह, युस ज़्यनु प्यठय छु पॅरियन हुंज़ सरदॉरी करान। बु छस तसुंज़ुय ज़नानु। येमि द्वह च़े यि कूर ज़ायिय, तमि द्वह ऑसुस बु येमिय जायि मँज़्य् पकान। तमिय सातु वोत मे ति बचु ज़्यनुक वख। बु गॅयस लाचार। मे त्रोव पानस परदु तु माँथुर पॅरिथ च़ायस यथ गरस मंज़। मे ज़ायि अख कूर। तमि पतु तुज मे स्व तु वातुनॉवुम पनुन गरु। नाव कोरुमस नोश लब। तसुंज़ सूरथ वुछिथ छु मे ख्वश गछ़ान दिल। मे छि तमी द्वह चॉन्य् यि कूर ति वुछमुच़ तु ॲम्य् सुंज़ माय छम दिलस गनेमुच़। अमिय आयस अज़ लारान लारान ॲम्य् सुंदि लोलु योर, नतु आसुनम गरि शुर्य बॉच़ प्रारान।

यनु स्वय नोश लब ज़ायम च़े नखु तल, तनु प्रथ सातु ऑसुम यूर्य कुन कल
हदु नीरिथ मे ॲम्य् सुंद छुम महबथ, वुनिस तामथ मूलय आयम नु फ़ुरसथ

यि बूज़िथ दोपुनस म्यानि माजि ज़ि बु ति वुछहॅन चॉन्य् कूर। गुलबदन बेगमि द्युत पॅरियन होकुम ज़ि नोश लब वॅरिवुन हॉज़िर। पॅरियि द्रायि तु अनिख नोश लब। नोश लब वुछिथ गॅयि म्यॉन्य् मॉज स्यठाह मसरूर। तमि तुज स्व क्वछि मंज़ तु चॉवुन पनुन द्वद। रछ़ाह गॅछ़िथ ह्यॅच़ गुलबदन बेगमि वापस नेरनुच सखर करुन्य्।

तॅमिस कुन माजि म्याने वॉन ब इखलास, च़े तु असि वारु गव व्वन्य् उलफताह खास
हके सोहबत मशी नु युथ च़े व्वन्य् ज़ांह, करुन्य् गछ़ि मेहरबॉनी गाह व बे गाह

गुलबदन बेगमि द्युतुनस वादु ज़ि बु आसु प्रथ र्यतु योर यिवान। तनु वोत तस नोश लब ह्यथ सोन गरु यिवान तु तति रातस रोज़ान। तथ रातस छे सानि गरि शॉद्य आसान तु दूनुवय छि अख ॲकिस लोल बरान।

□ जिनु सुंद युन तु अजब मलिकुनि अथु मारु गछ्तुन □

नोश लबि हुंज़ कथ बोज़ुनॉविथ कोर नाज़ मस्ति अजब मलिकस इसरार ज़ि सु च़ॅलिन पनुन ज़ुव बचॉविथ, युथ नु जिन तस मॉरिथ छूनि।

ब जल्दी तुल कदम व्वथ तोर कुन पख, समख तति माजि म्याने याम वातख
मे वोनुमय नेब व्वथ गछ़ दोर ह्यथ लार, यकीन बे शक मे छुम डेशख च़ु दिलदार

अजब मॅलिक गव नु कुनुय ज़ोन नेरनस तयार। सु ओस यछ़ान नाज़ मस्ति ति पानस सुत्य् न्युन। नाज़ मस्ति मोनुस नु। तमि दोपुसः

चे सुत्यन म्योन योति नेरुन छु मुश्किल, पतु करि लार असि देवे सियाह दिल
गछ़व व्वद क्रूह सासस दूर नीरिथ, तती प्यठु बाज़ गश्त अनि यूर्य फीरिथ

नाज़ मस्ति कोर अजब मलिकस स्यठाह ज़ोर ज़ि सु च़ॅलिन पनुन ज़ुव बचॉविथ मगर अजब मलिक गव नु तयार। तॅम्य् कोर नाज़ मस्ति सुत्य् वादु ज़ि सु मारि जिनस तु यिथु पॉठ्य दिवनावि तस आज़ॉदी। जिन मारुन ओस नु आसान मगर अजब मलिक ओस नु यि माननु खॉतरु तयार। तस ओस यकीन ज़ि जिन मरि तसुंद्यव अथव। बस, सिर्फ गछ़्यस बख्त साथ द्युन।

नाज़ मस्त गॅयि मजबूर। स्व लॅज अजब मलिकुनि कामयॉबी खॉतरु दुआ करनि। पनुनिस मुकर्र वख्तस प्यठ प्यव जिन वॉतिथ। सॉरिसुय गव ज़न बुन्युल।

व्वपर शख्साह वुछुन अंदर इमारत, क्रखाह बॅड लॉयिनस कुस छुख बु मारथ

अजब मलिकस येलि जिनस प्यठ नज़र पेयि, तस गव दहशथ। तॅम्य् पुशुरोव पनुन पान दयस। अँदुर्य किन्य् ह्योतुन ख्वदायि सुंद नाव, तु पनुनिस ज़ुवस पोरुन फातेह। तमि पतु द्राव सु बे वाय पॉठ्य जिनस सुत्य् दब करनि। अजब मलिकन तुज अख कमान अथस मंज़ तु कश कॅडिथ लोयुन जिनस तीर। जिन आव तीर लॅगिथुय पथर लायिनु। ज़ॅमीनस गव अलु अलु। जिनु सुंदि बदनु मंज़ु गव खून जॉरी। अजब मलिकन तुज शमशेर अथस क्यथ तु अकिय टासु कोरुन जिनु सुंद कलु अलग। तमि पतु त्रोव शाहज़ादन तसुंदिस बदनस रेज़ु रेज़ु वॅरिथ। जिनु सुंदि मरनु गॅयि नाज़ मस्त ख्वश।

गलान ऑसुस बु यथ ज़िंदानुसुय मंज़, दज़ान युथ ज़न हतब छे दानुसुय मंज़
खॅच़ुम अज़ चॉन्य् बॅड मिनथ तु लादन, लगय क्वरबान वंदय सर च़े पादन

□ अजब मलिक तु नाज़ मस्त छि बहरीन कुन नेरान □

नाज़ मस्ति कोर अजब मलिकस सुत्य् वादु ज़ि बु वातुनावथ च़ु नोश लबि निश। द्वशवय सपुद्य मुल्के बहरीन कुन रवानु। सफर ओस स्यठाह क्रूठ। तिम रूद्य द्वहस रातस पकान यीतिस कालस बहरीनु किस सरहदस प्यठ वॉत्य्। द्वशवय ऑस्य पॅक्य् पॅक्य् वॅसिथ पेमुत्य्। ब्रोंठ कुन पकनस ऑसुख नु कांह सूरथ। ऑखुरस ऑन तिमव अख कॉसिद छ़ाँडिथ। तस द्युतुख यनामु तु दोपुहॅस त्युहुंद खत बहरीनु किस पादशाहस निशि वातुनावुन। कॉसिद गव रॉज़ी। नाज़ मस्ति ल्यूख खत, यथ मंज़ तॅम्य् तिम तमाम वाकात लीख्य् यिम तस सुत्य् पेश ऑस्य् आमुत्य्। तमि पतु ल्यूख तमि अजब मलिकुनि तस निश वातुनुक हाल तु तसुंद जिनस मॉरिथ तस आज़ाद करनुच दॅलील।

बु ऑसुस कॉद दर ज़िंदाने हिजरान, गॅयस आज़ाद मुश्किल गोम आसान
ब कहरे हक सपुन अफरीत बरबाद, बु क्रॅरनस रहमतु सुत्यन शादो आज़ाद

नाज़ मस्त ऑस गरु गछ़नु बापत तरसान। तस ओस मॉल्य् सुंद स्यठाह लोल आमुत। अख अख गॅर कडुन्य् ओस तस क्रूठ बासान।

मे वाराह आमतुय छुम लोल चोनुय, सॅनिथ गोमुत दिलस छुम लोल चोनुय
ब खॅदमथ वातु कर च़लिहॅम दिलुक शर, निसारे पाये शाह करु हा पनुन सर
वलेकिन वातु कर छुम दूर मँज़िल, तवय छुम इज़तराबे गोमतुय दिल
खुशी छम खाब गॉमुच़ ताब छुम नु, ॲछव किन्य् खून जॉरी आब छुम नु
सरापा हाल पनुनुय कोर मे इज़हार, सलामत आस ऐ शाहे जहान दार

कॉसिद द्राव खत ह्यथ तु वोत पादशाहस निशि।

□ पादशाह छु खत परान तु जवाब सोज़ान □

पादशाहन येलि नाज़ मस्ति हुंद खत वुछ, तस आव ॲछन गाश। सथ गॅयस ज़ि कूर छम सॅही सलामथ। खत लोगुन पनुन्यन चेश्मन तु ह्योतुन परुन। खत पॅरिथ कोरुन कॉसिदस शाबाश तु दोपुनस म्योन जवाब वातुनाव तस वापस। पादशाहन ल्यूख वदान वदान खतस जवाब।

फिराकु चानि ओसुम सूर गोमुत, ज़मीन तंग आसमान यॅच़ दूर गोमुत
वनय क्याह चानि खॉतिर गोम कुस दाह, कराराह वारु पॉठ्यन आम नु ज़ांह
वॅरुम मे यावरी बख्तन च़ोलुम गम, वलय, कल सातु सातु तूर्य् कुन छम

पादशाहन कोर वॅसिदस खत हवालु। सुत्य् द्युतुनस म्वख्तु ज़ाँपानु, दायि तु ग्वलाम। कॉसिद सपुद रवानु तु वोत नाज़ मस्ति निशि। तस वोनुन मॉल्य् सुंद हाल तु बेयि द्युतुनस तसुंद खत। खत पॅरिथ सपदेयि नाज़ मस्त शाद तु द्रायि अजब मलिक ह्यथ बहरीन कुन।

पादशाहन येलि कूर वुछ, तस च़ोल सोरुय गम। नाज़ मस्ति ति आयि नु पछ़ ज़ि स्व वॉच़ा पॅज़्य् पॉठ्य गरु पनुन वापस। सॉरिसुय शहरस मंज़ आयि शॉद्य मनावनु। मिसकीनन तु मोहताजन मंज़ आव खॉरात बॉगुरावनु। अमि पतु वॅन्य् नाज़ मस्ति अजब मलिकुन्य्

दॅलील अकि लटि बेयि मॉलिस तु वॅरिन तसुंदि बहोदरी हुंद्य स्यठाह तॉरीफ। पादशाह सपुद सख मुतॉसिर। तस ओस नु यकीनुय ज़ि अजब मलिकस ह्यू कम वाँसि हुंद इनसान हेकि तस जिनस मॉरिथ यस लछु बॅद्य रोस्तुम पूशिथ ह्यकु हन नु।

नाज़ मस्ति कोर पनुन मोल अजब मलिकुनि मकसदु निश आगाह, ज़ि सु छु असली तल गरि द्रामुत नोश लब छ़ांडनु बापथ। पादशाहन वोनुसः

दोपुस तॅम्य् तस कुरन्य् लॉज़िम छे यॉरी, छे तुजमुच़ चानि पुछ़ि तॅम्य् यीच़ खॉरी
यियी येलि नोश लब रौदाद वॅनिज़्यस, त्युथुय वॅनिज़्यस ॲमिस प्यठ आर ॲनिज़्यस

□ अजब मलिकस छु रासख समखान □

अजब मलिकस सुत्य् मुलाकात वॅरिथ सपुद पादशाह स्यठाह ख्वश। तॅम्य् द्युत तस शुमारु खोतु ति ज़्यादु यनामु तु पानस निशि थॅवनस बेहनस जाय। तस गॅयि अजब मलिकुन्य् सख माय। अकि द्वह द्राव शाहज़ादु शहरस कुन सॉलस। शामस बॉग्य् येलि सु वापस फेरान ओस, तस पेयि ॲकिस परेशान हाल शख्सस प्यठ नज़र। यि ओस तसुंद रॅफीक रासख। रासखन पछोन नु शाहज़ादु कॅह तिक्याज़ि तस ओस व्वन्य् बुथिस रंगुय बदल्योमुत। शाहज़ादन द्युत ग्वलामन होकुन ज़ि रासख वातुनॉविवुन महलस अंदर। शाहज़ादन प्रुछुस च़ु कुस छुख तु कति आख। रासखन वॅनिनस पनुन्य् सॉरुय दॅलील। ऑखुरस वोनुनस ज़ि येलि सॉन्य् नाव फॅट, बु लोगुस ॲकिस पचि खंजि प्यठ तु यीरान यीरान वोतुस यथ शहरस मंज़। मे छनु पनुनिस रॅफीक अजब मलिकस मुतलिक किहिन्य् खबर ज़ि सु छा ज़िंदु किनु समंदरु बुज़्य् गव।

छ्वखा दिथ कोत च़ोलुम स्वख रावरॉविथ, नखु त्रॉविथ द्वखाह बोड गोम थॉविथ
लबन कति सर करस क्वरबान पायन, हट्युक रथ वंदहॅस लगहस बलायन

रासखस गव ॲछन ओश जॉरी। अजब मलिकस गव नु यि बरदाश। तॅम्य् दोपुसः

वफादारो मु वद बु यार छुस चोन, छुसय सुय आदनुक आरामे जान प्रोन

यि बूज़िथ गव रासखस दिल शादमान। अमि पतु बोव अजब मलिकन तस पनुन हाल। रासख गव यि बूज़िथ ख्वश ज़ि अजब मलिकन छु नोश लबि हुंद पय लॉबमुत।

□ अजब मलिक छु नाज़ मस्ति ज़ार करान □

अजब मलिक ओस नोश लबि हुंद दीदार करनु खॉतरु बेताब। सु लोग नाज़ मस्ति आह व ज़ॉरी करनि। तसुंज़ बे तॉबी वुछिथ वोन तस नाज़ मस्ति ज़ि पगाह छि नोश लब पनुनि माजि सुत्य् तोर वातन वाजेन्य्। तमि कोर ॲकिस पोशु बागस मंज़ नोश लबि तु अजब मलिकुनि समखुनुक संज़। तमि वोन शाहज़ादस:

च़ु कड तामथ क्वछ्यन दर बाग वाशा, बु अनुनय नोश लब बहरे तमाशा
अगॉफिल पॉठ्य च़ै निशि वातुनावन, ब जुज़ दॅरियाफ्त च़ै नज़दीक थावन

□ नोश लब छै नाज़ मस्ति निशि यिवान □

नोश लब वॉच़ पनुनि माजि गुलबदन बेगमि सुत्य् पादशाह सिपाह सालारु सुंद गरु। तस ऑस नु खबर ज़ि नाज़ मस्त छि जिनु सुंदि कॉदु निशि आज़ाद गॉमुच़। तस येलि नाज़ मस्ति प्यठ नज़र पेयि, स्व गॅयि स्यठाह ख्वश। तस युस नार दिलस मंज़ नाज़ मस्ति हुंदि दूरिरु किन्य् ओस, सु गव छ्यतु।

मै ओसुम लोल आमुत वारयाह चोन, च़ु डीशिथ काच़ ज़ूने ज़न च़ोलुम ग्रोन
यिनु चानिच खबर ऑसुम नु अज़ ताम, नतु च़ै रोस कवु यियिहे मै आराम

नाज़ मस्ति बोज़ुनॉव स्व पनुन्य दॅलील। जिनु सुंद ज़ुलुम, अजब मलिकुन तस निशि युन, तसुंज़ बहोदरी हुंद कारनामु तु ऑखुरस जिनु सुंद मारु गछुन, यिमु कथु वनि नाज़ मस्ति तस वारु व्यछुनॉविथ।

ख्वदा गम कॉसिनस ऑसिन फ्वलुवुन, सु छ्वख बॅलुरॉविनस युस छुस ललुवुन

नोश लब गॅयि शाहज़ादु सुंद्य तॉरीफ बूज़िथ मसहूर। यि वुछिथ वोन नाज़ मस्ति तस अजब मलिकुनि अॅश्कुच दास्तान तु तसुंदि योर यिनुक मकसद।

वॅडिथ ऑसुस निमुच्च कल चॉन्य् अॅश्कन
तमी कजि गॅजमुच्चुय तस ऑस हन हन

मगर नोश लबि आयि नु वोसि हुंज़ कथ पसंद। तस ओस नु गुमानुय ज़ि नाज़ मस्त करि तस सुत्य् यिछ़ कथ।

च्रखि हॅच्च योरु दोपुनस छा यि शायान, च्रो तु मे व्यसु तोन व्वन्य् वोत पायान
न ज़ानन कांह न ज़ान्यम कांह मे अज़ ताम, चु कवु यॅच्च छख करान नाहक मे बदनाम
कथव चान्यव कॅरुस गमगीन व दिलु तंग, फुटुरथम शीशु लोयुथ ऑयीनस संग
रवा छा यी अपुज़ तोहमथ मे ॲनिथम, ज़हरु बॅड श्राख ज़न वॉलिंजि छुनिथम

□ हकीकत बूज़िथ छे नोश लब नरमान □

नाज़ मस्ति ऑस नु खबर ज़ि नोश लब गछ़ि यि कथ बूज़िथ नाराज़। अमिय पोयि तस् स्व दॅलील वनुन्य् योसु बुडन अजब मलिकस वॅनिमुच्च ऑस तु यथ प्यठ शाहज़ादु ताज तख्त त्रॉविथ नोश लबि छ़ांडनि द्रामुत ओस।

बुडस निशि बूज़िमुत्य् ऑसिन सिफत चॉन्य्, तवय गारान द्रामुत ओस वथ चॉन्य्
कोहिस्तानन तु वॉरान खारनुय मंज़, बियाबानन तु जंगल ज़ारनुय मंज़

यि बूज़िथ नरमेयि नोश लब। तस गव दिलस शोख सु जवान वुछनुक। तमि कॅर नाज़ मस्ति गुज़ॉरिश ज़ि मे करनाव तु तस शाहज़ादु सुंद दीदार।

गनेयम राय तॅम्य् सुंज़ गोम तॉसीर, गॅयस बूज़िथ तसुंद अहवाल दिलगीर

□ नोश लब छे पोशि बागस मंज़ अच़ान □

नाज़ मस्ति नियि नोश लब तथ बागस मंज़ येति अजब मलिक बिहिथ ओस। बाग वुछिथुय तंबुल्यव नोश लबि हुंद दिल। रंगुरंगु ऑस्य् गुल पॅलिमुत्य्। वावु सुत्य् ऑस पोशन ग्राय लगान तु ज़न ऑस अॅतुर फेरान। ग्वलाब, ही तु मसवल, बुनफ्शु, कारिपॅत्य् तु अॅश्कु पेचान, यॅंबुरज़ल, सदबर्ग, झाफर, नवरंग, अछि पोश, गर्ज़ प्रथ कांह पोशि ज़ॉच़ ऑस अथ चमनस अंदर। रंगु रंगु जानावार ऑस्य् मोदरि बोलि करान। कुस्मु कुस्मुक्य् म्यवु ऑस्य् कुल्यन अलूंद। कुल्यन हुंज़व ग्रायव, जानावारन हुंदि च्युरगिशि तु पोशि ज़ारव मॅंज़्य वाव पकनु सुत्य् योसु दिलस लूबुवुन्य् आवाज़ गछ़ान ऑस, तिछ़ आवाज़ ऑस न सेतारन, न साज़न तु न चंगन। गुलिस्तानस वुछिथुय ऑस्य् होश डलान तु जनतुक ब्रम गछ़ान।

□ पोशि बागस मंज़ मुलाकात □

अॅथ्य् लालु ज़ारस मंज़ सपुद नोश लबि अजब मलिकस सुत्य् मुलाकात। बागस मंज़ येलि नोश लबि शाहज़ादस प्यठ नज़र पेयि, तस लोग ज़न तु लोलुक तीर दिलस। शाहज़ादु सुंद रोय ओस ज़न तु इनसानस वटुस्य् करुन लायक। नोश लबि ओस नु अथ दमस ताम युथ ह्यू खूबसूरथ जवान वुछमुत। शाहज़ादु सुंद मस, अॅछ, बुमु, वुठ गर्ज़ प्रथ कांह तान ओस मॉर्य मोंद। नोश लब रूज़ुय नु योरुकिस आलमस सुत्य् ।

अॅमिस रोस्तुय छु मुश्किल व्वन्य् लसुन म्योन, न्यबर अज़ बाग नेरुन जुव खसुन म्योन
वॅथिथ तमि जायि थोद हरगिज़ हेचिस नु, ज़ि नंगो शर्मि ख्वद तस कुन पॅचिस नु

यीतिस कालस गॅयि नाज़ मस्त अजब मलिकस निश तु वॅनिनस नोश लबि हुंज़ बागस मंज़ वातनुच कथ। शाहज़ादन युथुय नोश लबि हुंदि यिनुच कथ बूज़, सु गव देवानु। तॅम्य् द्युत गज़ल ख्वानन होकुम तु साज़ो नगमुच महफिल आयि सजावनु।

कत्यू छ़ांडथ मत्यो दरशुन दिहम ना, मत्योमुत दादि चाने छुस यिहम ना
कत्यू छ़ांडथ वलो दिलदारु म्याने, गॊलुस चाने गमय गमखारु म्याने

ऑखुरस करनॉव नाज़ मस्ति अजब मॅलिकस तु नोश लबि बागस मंज़ मुलाकात। नोश लब वुछिथुय गव शाहज़ादु बेहोश। यॆलि तस होश आव, तस आव नु यकीनुय ज़ि यि छु पज़र। नोश लब ऑस पॅज़्य् पॉठ्य् हूर। तसुंज़ हालत ति ऑस तिछ़ुय यिछ़ शाहज़ादु सुंज़ ऑस। दूशवय ऑस्य् अख अकिस प्यठ दिल हॉरिथ। तिमन बास्यव ज़ि अख ॲकिस वरॉय छि तिम ना मुकमल। अजब मलिकन वॊनुस पनुनि दिलुक हालः

च्रु क्याह ज़ानख च्रे प्यठ मॆहनथ तुजिम कूच्र, च्रे छ़ांडान दर जहान मज़रत तुजिम कूच्र
तुलिम कम कम सितम अज़ दोरे आफाक, बु फ्यूरुस आलमस गाह जुफ्त गाह ताक
च्रे होवथम रॊय कॅरथम मॆहरबॉनी, दिच्रुथ ज़न म्वरदु जिस्मस ज़िंदुगॉनी
छुसय बु त्रेशि हॊत प्यठ नागु रादस, दितम अख शरबताह व्वन्य् वात दादस
बरख ना माय म्यॉनी छुय सवाबाह, सपुनतम येल वनतम रुत जवाबाह

नोश लब ति ऑस बेकरार मगर यिमन कथन ओसुस नु कांह जवाबाह। स्व ऑस पॅरी ज़ॉच्र, तमि किन्य् ओस नु तस तु अजब मलिकस म्युल। तमि दयुतुस जवाबः

च्रु छुख इनसान बु छस जिन्से पॅरी ज़ाद, मु थक छय अथ कलामस सुस्त बुनियाद
मे पथ ग्वद रावुरावख उमुर सॉरुय, लबख नु उलफतुच बॊयाह मे लॉरुय
मुलुच कथ छय बु छस खोच्रान पामन, मे छुम ना ज़ांह गोमुत आलूदु दामन

अजब मलिक ओस नु नोश लबि हुंज़ कथ मानुनस तयार। तॅम्य् वॅनिस बॆयि पनुन्य ज़ारः

च्रे छुय पॅज़्य् पॉठ्य दामन पाक थॊवमुत, मे छुम दिल खस्तु सीनु चाक गोमुत
सरु कर दादि चाने कुस सितम गोम, गॊलुस यिथु नार डीशिथ छुय गलान मोम
जवॉनी सॉर च्रे पथ रावुरावुम, हकूमत सलतनत यकबार त्रॉवुम
कमाने चानि द्युतुनम तीर सीनस, छ्वकुलद छ्रठ दिवान छुस प्यठ ज़ॅमीनस

मगर नोश लब ऑस मजबूर। तमि दोपुसः

बन्योमुत ज़ांह छुना दर मुल्के आलम, पॅरी ज़ादन हिशर आमुत ब आदम
मे इनसानन हुंज़ुय छम ना मुलय पछ़, म कर देवानुगी येति आख तोत गछ़
मु वव तथ जायि फल येति कॅह बोयी ना, गली तति ब्योल कॅह हॉसिल यियी ना

शाहज़ादु ओस ज़ुवस गिंदिथ अथ जायि ताम वोतमुत। सु ओस नु कुनि सूरतस मंज़ पथ ह्यनस तयार। तॅम्य् लॉज आहो ज़ॉरी सुत्य् सुत्य् व्वन्य् नोश लबि ख्वशामद करुन्य्। तसुंद्य व्यदाख बूज़िथ गॅयि नोश लब स्यठाह तंग। तमि य्वसु वॅन्य् पनुनिस दिलस ऑस प्यठु थॅवमुच़, स्व च़ॅज नीरिथ। तस आव पानस ति शाहज़ादु सुंद स्यठाह लोल बरनु। मगर पॅरी ज़ाथ आसनु किन्य् दिच़ तमि शाहज़ादस च़ेनुवॅन्य्। दोपुनस अख वादु छुय करुन। चोन ॲश्क गछ़ि साफ तु पाक आसुन। अथ मंज़ गछ़ी नु कुनि कुस्मुच नापॉकी यिन्य्। शाहज़ादन कोर यकरार।

□ मिलाप □

द्वशवय लॅग्य् अख ॲकिस तिथु पॉठ्य लोल बरनि, ज़न तु तिम वुमरन हुंद्य पानुवॅन्य् जुदा ऑस्य् गॉमुत्य्। अमि पतु लॅग्य् अख ॲकिस शकायथ करनि तु अख ॲकिस सुत्य् वफादॉरी हुंद वादु करनि। प्रोन गम मोठुख सोरुय।

तिथय गॅय शाद गम मोठ प्रोन बिलकुल, खुशी यिछ़ बुलबुलस डीशिथ गछ़ान गुल

अमि पतु लॅग्य् द्वशवय मस चेनि तु अख ॲकिस जाम पिलुनावुनि। यि सिलसिलु रूद तीतिस कालस चलान यीतिस कालस द्वशवुन्य् होश रोव तु अख ॲकिस नालुमति रॅटिथ पेयख नेंदुर।

□ गुलबदन छि कोरि छ़ांडनि नेरान □

हुपॉर्य् ऑस नोश लबि हुंज़ मॉज गुलबदन तु नाज़ मस्ति हुंज़ मॉज कोर्यन हुंदि खॉतरु परेशान। सूंचुख, कोरि द्रायि गरि सॉलाह करनु खॉतरु बागस कुन, मगर यूत च़ेर क्याज़ि गोख? गुलबदन ऑस सोंचान ज़ि कोरि छि वारियाहि कॉल्य् पानुवॅन्य् समखेमच़ु। नाज़ मस्ति हुंज़ बेनि मस्त नाज़ ति छख सुत्य् गॉमुच़, अमिय आसन पानुवॅन्य् दरबाराह करनि लॅग्यमुत्य्। बेयि कॅह वख्तस प्रॉरिथ ति येलि नु कोरि वापस आयि, नोश लबि हुंज़ि माजि लॅज फिकिर। स्व द्रायि तिमन छ़ांडनि। वातान वातान वॉच़ स्व तथ बागस मंज़ येति नोश लब शाहज़ादस सुत्य् ऑस। येलि तमि पनुन्य् कूर तु अजब मॅलिक अख ऍकिस लरि शोंगिथ वुछ, तस गव ऍछन अनिगोट। क्रूदु सुत्य् गोस ऍछव मंज़ु नार ज़ॉहिर। तस आयि नु पछ़ुय ज़ि तसुंज़ कूर करि युथ अतुर तु खानदानस करि रुसवॉयी।

खजालॅच़ टोंगु ट्वख द्युतुथम नॅगीनस, फुटुम शीशु लॅजिम कॅन्य् आबगीनस
अदावथ यिछ़ कमिच ऑसुय च़े म्यॉनी, कॅरुथ रुसवाये आलम कूर म्यॉनी
सज़ा पानय लबख त्युथ युथ करख कार, ब्वी मा कॉल्य् गुल य्वद अज़ ववख खार
च़े छुय ना कॅह खता राह छुम मे पानस, मे पानय प्रान मिलनोव ज़ाफरानस
खबर छनु क्याह च़े ऑसुय कीनु खॉही, तवय पुछ़ि रोबु ऍनिथम रू सियॉही

□ नोश लब तु शाहज़ादु सुंज़ जुदॉयी □

नोश लब ऑस शोंगिथ मगर पॅरी ज़ाथ आसनु किन्य् ऑस स्व माजि हुंद बुथ ति वुछान तु तसुंज़ कथ ति बोज़ान। नेंदरि मंज़ुय च़ायि तस मॉज ब्रोंठु कनि वुछिथ थरु थरु। तमि ह्योत बख्शनु खॉतरु माजि ज़ारु पारु करुन। येलि नु माजि हुंद ग्वसु कुनि सूरतस मंज़ कम गव, नोश लबि वॅन्य् तस शाहज़ादु सुद सॉरुय दलील ज़ि सु कुस छु तु कति प्यठु छु तसुंदि खॉतरु आमुत।

स्व गॅयि शरमंदु सोरुय हाल वोनुनस, तसुंद अहवाल व माहो साल वोनुनस

हकीकथ वाकई वॅनिनस मुफस्सल, खॅटिथ थोवुनस नु कांह हरफा न अमल
यि शाहज़ादय छु तुरकिसतानु आमुत, छु अॅश्कन ओनुमुतुय छुनु पानु आमुत
स्व बुड़ु सुंज़ कीफियत तॅम्य् बॉवुनस सॉर, मुच़रनस सर ब सर सिरु किस गरस दॉर

मगर तसुंद्यव व्यदाखव सुत्य् गव नु गुलबदन बेगमि कांह असर। तमि द्युत पॅरियन होकुम ज़ि नोश लब वॅकरिवुन नवजवानस निशि जुदा।

जुदा वॅल्य् वॅल्य् वॅर्यूख यिम अख अॅकिस निश
यि कथ गछि युथ नु नॅन्य् कॉसि अॅकिस निश
तिथुय तुलिज़्योख गछ़न यिम युथ नु बेदार
खबरदार युथ नु यिम सपनन खबरदार
ब खानै नोश लब गछि वातुनावुन्य्
कुठिस पनुनिस अंदर ल्वति पॉठ्य सावुन्य्
हुमिस गछि गाश तुरकिस्तानु हावुन
वुकरमनु सख्त दर वॉरानु त्रावुन

पॅरियव तुल शाहज़ादु तु त्रोवुख तुरकिस्तानु गॅछ़िथ। नोश लब तुजिख नेंदरि हॅच़ुय तु त्रॉवुख पनुनिस कुठिस मंज़। न रूज़ तस शाहज़ादु सुंज़ खबर तु न रूज़ शाहज़ादस तसुंज़।

□ नोश लब छि बेदार गछ़ान तु व्यदाख दिवान □

नोश लब येलि बेदार गॅयि, तमि दिच़ ओरु योर नज़र। पनुन पान वुछुन पनुनिस गरस मंज़ तु शाहज़ादु ओस नु कुनिय। तस पेयि स्व विज़ याद येलि तसुंज़ मॉज रात क्युत बागस मंज़ आयि तु स्व वुछिन शाहज़ादस सुत्य् नॉली नाल। शाहज़ादु सुंज़ जुदॉयी गॅयि नु नोश लबि बरदाश। तमि ह्योत पनुन यार छ़ारुन तु व्यदाख दिन्य्।

□ व्यदाख □

सुबुह फॉल बुलबुलव तुल शोर-ो-गौगा, गॅयस बेदार, मुच़रॅम चॅश्मे शहला
खबर ऑसुम बु छस दरबर निगारस, मुकर्र गॉब छि पॅन्य् नॅंदुर बहारस

नज़र त्रॉवुम न ड्यूठुम बाग नै गुल, न बूजुम अज़ चमन आवाज़ि बुलबुल
न ड्यूठुम यार नै गुलज़ार नै बाग, न रातुक ऑश इला बर जिगर दाग

गटु मीजिम, सुबुह सपनुम गमुक शाम, मुसीबत प्योम अश्क अज़ गम करिम दाम
हॅतिम वॅन्य् दिन्य् निगारस गुलाज़ारस, पसो पेशस यमीनस तय पसारस

वुछुम नु रोये ज़ेबा यारु सुंदुय, निशाना कांह ति तस दिलदारु सुंदुय
बजाये गुल ब-सीनु खार ड्यूठुम, ह्यॉतुम छ़ांडुन खज़ानु मार ड्यूठुम

दपान ऑसुस दिलस बा चॅश्मे पुर आब, स्व मॅजलिस रातुची मा आसिहे खाब
सु ऑशा राहता द्वशवुन्य् ब्रॅमा ओस, खुशी शूब्यस वनुन्य् कर मातमा ओस

मच़र ऑनुनम तच़र कॉरुनम बदुनस, वदान आलव हॅतिम दिन्य् तस मदुनस
निगारा बे मदारा सरदि महरा, बुता, माहे मुनीरा, खूब चहरा

हॉंदुर लॅगिथ नॅंदुर पॉविथ च़ॉलूहम, फिराका ललुवुन त्रॉविथ च़ॉलूहम
मतो च़लतम मत्यो मॅच़रॉवुथस बो, यितो बॅयि सथ गछ़यम मॅशरॉवथस बो

परन पादन प्यमय थॅवथम मॅ लादन, दितम सर आलवय आलव च़ु नादन
वदुन त्रॉविथ च़लुन चूरे रवा छा, थवुन युथ दाग मस्तूरे रवा छा

दुर फलि म्यानि कथ गोशस रॅटुथ जाय, च़ॅ गोशन म्योन गॉय ना त्रॉवुथम माय
खॅरीदारो कम्यू बाज़ारु छ़ारथ, मॅ तावन पोवुथम कमि वानु गारथ

हरेयस आरुवल गोलाबु बॉयो, दॅज़ुस महताब ज़न महताब रॉयो
पॅरी देवानु कॅरथस माह जबीनु, यिहम ना बहर लिल्लाह मह जबीनु

कमां ज़न गोम कद बद वलजमाले, सॊद्योमुत तीर अॅश्कुन हियु माले
ज़ूलेखा यूसफो च्रॆ पथ अनेयस, मतेयस वामिको अज़रा बनेयस

ब-तल्खी छस दिवान शीरीन फॅरियाद, गछ़यम ना पॉदु ख्वश दीदार फरहाद
कॊतू च्रॊलुहॅम मत्यो मजनूनु म्याने, मॆ थॊवथम दोद ललुवुन लॉलि जाने

थफा दिथ नकदि दिल ह्यथ दूर गोहम, जफा कारो शिलस सॅन्य् चूर प्योहम
मदन वारो बदन गोहम मॆ ज़ॉलिथ, ह्यकय नो दूरिरुक आतश बॊ च्रॉलिथ

मलालु गॊय कम्युक, कवु पुच्रि मॆ रूठुक, वॅमिस ताले वरस इकबाल ब्यूठुक
चरागे खुरमी छ़ॆवरिथ गमुक वाव, अनि गॊट गोम माह र्‌वखसारु म्वख हाव

फरोगे नूरे माह र्‌वख चूरि हावुम, बिहिशतियो जमाला हूरि हावुम
पतु यिमुहय अमा वथ छम नु मोलूम, नतु ज़रुहा नु हिजरुक तीरि मसमूम

शॊछा लदुहय अमा कांह छुम नु दर दिल, च्रॆ थॊवथम लालु रोयो दाग बर दिल
कुसू सोज़य, कुसू बावी यि तकरीर, पक्यम कुस तॊत सिवाये बादि शबगीर

यितो हा सुबुह के ख्वशबोयि वावो, नितो तस गुलाज़ारस म्यानि ग्रावो
ज़ि गरदि राह च्रु दामन दुन्यज़ि अवल, पस अंगु नॅट्य नॅट्य गॅछ़िज़्यस बरस तल

अदब रॅछिथुय सदा वॅर्यज़्यस ब हलकु, खबर आहस्तु वॅन्यज़्यस मॊदरि हलकु
जफा अंदेशि कस त्रॉविथ स्व मज़लूम, कॊरुथ क्याह थामि लॉजिथ पामु मॉसूम

मुहिथ गव ह्यन वॅनिथ छनु कॉंसि ज़ानान, वुहिथ गॅयि चानि पच़ि ऐ जाने जानान
पर्युन सीनस सपुद तस चानि होलु, च़ु डोलहस लोलु रस्त्यो अहदो कौलु

मे कॅर्यथम होलु सुत्य् परकालु पानस, कवो च़ुय लालु फोरहम बालु पानस
मुदा ऑसुय करुन्य् ऑखुर जुदॉयी, योहय छा सॉ तॅरीके हक अदॉयी

शिकस्तु दिल वॅरिथ तनाज़ो मगरूर, समन अंदामु ब्यब बॅरथस बज़ंबूर
हतो वावो च़ु क्या ज़ानख मे क्या गव, गॅमुत्य् छिम वॉलिंजे दमगीरकी स्रव

बिहिथ कथ गुलशनस मंज़ गुल अंदाम, सही सरवुन सही ॲन्य्ज़्यम मे पॉगाम
ह्यसु डॅजरॉवुनस मस दिथ मसॉछिव्य्, बन्यम नै मल वुन्यम दामानु रिव्य् रिव्य्

छ़ेतु मशाल गॅयस यावुन व्यतु गोम, स्वतेयस वॅद्य वॅद्य शोरस ज़्यतु प्योम
तनूरस अश्कुनिस मंज़ छस हतब ज़न, वनस दॅदवन कोरुम तॅम्य् सरवि सब़्ज़न

खज़ान च़ाम अच़वुन्य् सुय बहारस, सुली द्वह लूसिथुय गव पोह हारस
हँदुर ज़न गॅजसु श्रावनु आफताबु, ब-ताबम चूं तपद माही ब–ताबु

फ्वलुवुन्य् सुय बहारस ॲरनि रंग गोम, म्वलुलिस ऑशिकिस खॅज़रस श्रंग गोम
दु-हफ्तुचि ज़ूनि सर तुलिथुय ग्रुहुन प्योम, शोगूफस शीन गुलज़ारस क्रुहुन प्योम

हियि थॅर यावुनुन्य् कॅरथम बुर मे, ज़ुर ज़ुर सीम तन ज़ॉजुथ ज़ुर मे
शमा सूरत बु छस गरयान व सोज़ान, चू परवानु, सु बे परवानु बोज़ान

यँबरज़ल तस बँबूरनि मायि वॅजनस, फ्रेकुवुन्य् च़ॅर ग्रकुवुनि तावु तॅजनस
फ्वलुवुन्य् पोशि थॅर छॅच़रॉवुनस बॅ, असुवुन्य् वॅद्य वॅदी व्यसुरॉवुनस बॅ

सनोबर कामतन हॅज वीर कॅरनस, स्वनस सरतल गॅयम, तशहीर कॅरनस
सरुक पम्पोश ऑसुस फोजमुच़य हॉर्य, कॅरुस गरकाब गमे ख्वरशीद रवखसॉर्य

दुपहरन शाम मे गोम खाम कारे, दुरस गोम फोतु रूदुम तोतु हारे
गॅज़ुस कॅज कामु दीवुनि आमुनेयस, लोगुम दरु लावि मूरे आवुसेयस

कबाबुक्य् पॉठ्य तॅजनस गरम तावे, अडु दॅज़ च़न्य् गॅयम सरमूरि लावे
च़ॅटिथ कॅम्य् शॅत्रुनय लोगुम मित्र मे, लॅदिथ तासस पेयम तोसस ॲथुर मे

तिथिस जानानुसुय रोस्तुय लसा बो, सु त्रॉविथ गॉरुनय सुत्यन बसा बो
सु त्रॉविथ कर यियम नेंदुर तु नेह मे, सु त्रॉविथ शरबते शीरीन छु वेह मे

गुलिस्ताने बे रवखि गुल रवख छु ज़िंदान, सरीरुक न्वक्तु सँगीन तर ज़ि सिंदान
सु त्रॉविथ मंगु क्या यथ पॉट्य प्रंगस, सु त्रॉविथ मा ज़ु कर बॅ नक्शो रंगस

सु त्रॉविथ कर गुलन प्यठ दिल लग्यम मे, चो बुलबुल बाग छावुन कर तग्यम मे
बिहिश्ते जाविदां दोज़ुख चू बे यार, ब-तन ज़ंजीर ज़ेवर तख्त ज़न दार

बसर अफसर गमुक कर गॉरि दिलबर, ब-पहलू फरशि मखमल खार बसतर
सरासीमुह गॅयस जामन द्युतुम चाख, मोलुम ऑयीनु खानस सूर तै खाख

व्यदाख ऑसुस दिवान हिजुरच करान ल्यल, व्वलो कॅरथस बुर ताज़ु यँबरज़ल

□ गुलबदन बेगम छि नोश लबि जानवर बनावान □

नोश लबि हुंज़ मॉज गॅयि तसुंद्य व्यदाख बूज़िथ जादय गज़बनाक। तमि वॉन कोरि कुन:

कॅमी शॅत्रन च़ु अथ यिछि नावि वॉजिख, मित्र लॉगिथ कॅमी तच़ि तावि ज़ॉजिख
हया बर ताक थॉवुथ शर्म त्रॉवुथ, पॅरी क्रॉनिस खजालथ वातुनॉवुथ
कॅबीलस मंज़ च़े पानस दाग थोवुथ, ब दुनिया नाव सोनुय मंदुछोवुथ
गॅयख अज़ कारे बद बदगारो बदनाम, थॅवुथ पानस पॅरी क्रॉनिस अंदर पाम

अमि पतु कोर गुलबदन बेगमि ज़बरदस्त लानु तानु कोरि। नोश लबि ओस ओश जॉरी। मॉज गॅयि नु कुनि सूरतस मंज़ तस मॉफी दिनस तयार। तमि पॅर माँथुर तु द्युतुन कोरि फ्वख। नोश लब बनेयि जानावार। माजि ज़ोन ज़ि अमिय सुत्य् रोज़ि तसुंज़ कथ खॅटिथ।

तमि द्वह प्यठु वोत नोश लबि जानावार बॅनिथ दर दुनिया फेरान तु अजब मलिकस छ़ांडान। दॅहन वॅरियन फीर स्व बियाबानन, जंगलन, पहाडन, समंदरन तु बॅस्तियन, मगर कुनि जायि लोब नु तमि तसुंद कांह नेब।

□ मॉसूम शाहस छु नोश लबि हुंज़ दलील बूज़िथ सख असर गछ़ान □

जानावार (युस असली नोश लब छि) म्वकल्यव दॅलील बोज़ुनॉविथ। तॅम्य् वोन मॉसूम शाहस ज़ि अज़ वॉत्य् मे दह वॅरी येमी शक्लि। बु फीरुस चहारू तरफ मगर सु यार आम नु कुनि अथि। च़े कुन पेयम नज़र तु चॉनिस बुथिस मंज़ आम तसुंद अनहार ह्यू बोज़नु। लोल ह्यू च़ोलुम तु पनुन पान कोरुम ज़ोरु चॉनिस ज़ालस मंज़ गिरिफितार।
मॉसूम शाह गव जानावारु सुंदिस राज़स वॉकुफ। तॅम्य् द्युत तस दिलासु:

दोपुन तस रोज़ ख्वश गम त्राव सॉरी, करय बु अथ गमस मंज़ गम गसॉरी
मुसॉफिर लॉगिथुय हमराह ह्यमथ बॅ, सु दिलबर चोन छ़ांडन हर सिमत बॅ

मॉसूम शाहन कोर जानावरस सुत्य् वादु ज़ि सु वातुनावि तस अजब मलिकस निशि। मगर जानावारस ओस नु यकीन ज़ि मॉसूम शाह ह्यू मॉसूम इनसान हेकि अजब मलिकस छ़ाँडिथ। जानावारन वॅन्य् तस मिसालि पॉठ्यन अख दॅलील।

□ हाजथ □

दपान अख बुर्ज़गाह ओस। नाव ओसुस इब्राहीम। बाह वॅरी गॅयी, तसुंदिस नफसस गॅयि अख दॉन खेनुच खॉहिश। दूहय रूद सु बुज़र्गस दॉन मंगान, अख दॉन, च़्रोक या मोदुर। मगर बुर्ज़गन वॅर नु ज़ांह तसुंज़ खॉहिश पूर। अकि दूह गव इब्राहीम ॲकिस दरवेशस निशि। दरवेश ओस ब्यमार। सलामाह वॅरिथ प्रुछ़ इब्राहीमन तस ज़ि कांह तमन्ना मा छुय, बु करहॅय सु पूर। दरवेशन दोपुस, "मरहबा छुय अथ लियाकतस। पनुनि नफसुक हाजथ कडनुक छुय नु ताकत, तु लूकन छूख साल करान। युस नफर नु पनुन हाजथ पूर हेकि वॅरिथ, सु क्याह करि बेयिस।"
यि दॅलील बोज़ुनॉविथ वोन जानावारन मॉसूम शाहसः

दोपुन मॉसूम शाहस कुन ब तॉज़ीम, मे हाजथ नेरि नु पानस च़्रे छुय बीम
बनी नु यस कडुन हाजथ पनुन ज़ांह, मुरादे दिल वनुन तस हॉसली क्याह

मॉसूम शाहस लॅज जानावारु संुज़ कथ दिलस मगर ह्यमथ हॉरुन नु कँह। तॅम्य् वोनुस दरजवाब ज़ि च़्रे छय असली तल पानस ईमानुच वॅमी। ख्वदा छु प्रथ ॲक्य् संुज़ मुराद पूर करन वोल। प्रथ रॉच़्र पतु छु गाश फ्वलान तु अनिगोट खत्म गछ़ान। ऑखुरस छु ती सपदान यि ख्वदा सॉबस करुन छु आसान। अथ प्यठ ह्यॅच़्र मॉसूम शाहन जानावारस अख दॅलील बोज़ुनावुन्य्।

□ हारून रॅशीद तु शाहज़ादु □

दपान अख बादशाह ओस। नाव ओसुस हारून रॅशीद। सु ओस स्यठाह ॲमीर, सॅखी तु रहमदिल। ख्वदायि संुज़ इबादथ ति ओस स्यठाह करान। दपान अकि दूह ओस सु

ॲकिस बागस मंज़ खलवत बिहिथ इबादथ करान ज़ि तस ब्रोंठु कनि गव अख जानावार ज़ॉहिर। जानावार ओस स्यठाह खूबसुरथ। कलु ओसुस सब्ज़ रंगु तु पखु आसस व्वज़जि। हारून रॅशीदस तंबुल्यव जानावारस वुछिथ दिल। युथुय जानावार हारून रॅशूीदस ब्रोंठ कुन आव, तॅम्य् दिच़ तस थफ तु रॅटनस ज़ंग। जानावार गव वुडिथ तु हारून रॅशीद रूद तसुंज़ ज़ंग रॅटिथुय अवेज़ान। जानावार खोत वारियाह थोद तु रूद वुडान। बादशाह गव दम फुट्य। ज़ंग यलु त्रावुनस ति ओसुस नु वार। ॲछन गोस अनिगोट तु पनुनि ज़िंदुगी हुंज़ व्वमेद त्रॉवुन। ऑखुरस करि तॅम्य् पनुनि ॲछ बंद।

हेचन नु चेश्मु मुच़रिथ त्यूत गव तंग, न ज़ोनुन वार तस अथु त्रावुनस ज़ंग
छु सार्यन टोठ ऑखुर जाने शीरीन, सु दुनियादार ऑसिन या सु मिसकीन

जानावार गव समंदरु पेठ्य वुडान तु ऑखुरस वोत सु अकिस जुविस मंज़। बादशाहन येलि पानस तलु कनि ज़ॅमीन वुछ, तस च़ोल वसवास। जानावार वोथ ज़ॅमीनस प्यठ तु बादशाहन त्रॉव तस थफ यलु। पनुन पान सॅही सलामथ वुछिथ कोर तॅम्य् मॉलिकस कुन शुकुर। जानावार च़ोल वुडिथ वापस। बादशाहन सूंच पानस सुती ज़ि खबर कांह ग्वनाह मा आस्यम कोरमुत तु तमिकुय सज़ाह छुम अज़ मेलान। पनुनिस पानस द्युतुन तसलाह ज़ि यि मॉलिकन ल्यूखमुत आस्यम ति वात्यम।

हारून रॅशीद ओस वुनि सोंचानुय ज़ि तस गॅयि नाव पकनुच आवाज़ कनन। तॅम्य् दिच़ समंदरस कुन नज़र। ॲकिस नावि मंज़ ऑस्य् वारियाह नफर तु जुविस निशि वॉतिथुय वॅथ्य् तिम नावि मंज़ु ब्वन। तिमन मंज़ ओस अख शाहज़ादु तु बाकय तसुंद्य ॲमीर तु वॅज़ीर। वुछान वुछान आव शाहज़ादु सुंदि खॉतरु अख ऑलीशान सायेबानु लागनु। पॅथरिस आव मखमली फर्श करनु तु अख तख्त लागनु। शाहज़ादु ब्यूठ तख्तस प्यठ। बाकय सॉरी रूद्य इसतादु। अमि पतु ह्योत तिमव ॲमीरव तु वॅज़ीरव शाहज़ादस र्वख्सथ तु द्रायि नावि क्यथ वापस।

हारून रॅशीद गव हॉरान ज़ि शाहज़ादु क्याज़ि रूद यिथिस बियाबान जुविस मंज़ कुनुय ज़ोन? सु गव तस ब्रोंठकुन। सलामाह वॅकरिथ ओस वुनि बादशाहस केंह वनुनय ज़ि शाहज़ादन प्रुछुस चु कुस छुख तु यथ वॉरान जुविस प्यठ क्याह छुख कुनुय ज़ोन करान।

कुनुय ज़ॉन, सुत्य् छुय ना कांह रफीका, न यारा दोस्ता नय कांह शॅफीका

बादशाहन वोनुस नु पोज़ कॅह। दोपुनस बु छुस अख सोदागर। बु ओसुस माल जादाद ह्यथ ॲकिस जहाज़स मंज़ पकान ज़ि वावु तूफान आव। म्योन जहाज़ु गव माल असबाब तु म्यॉन्य् नोकर ह्यथ समंदरस पॅटिथ। बु बचोस बडु मुश्किलन तु वोतुस यथ ज़ुविस प्यठ। च़ु वुछिथ गोम दिल स्यठाह ख्वश, तमिय आस च़ै निशि लारान।

शाहज़ादु ति गव हारून रॅशीदस वुछिथ ख्वश। दोपुनस, माल जादादुच मु बर फिकिर कॅह। बु करय चोन सोरुय न्वखसान पूर। च़ु थव पनुन दिल शाद।

हारून रॅशीदन वोनुस, बु ओसुस ग्वडय ज़ॉनिथ ज़ि च़ु गछ़ख शाहज़ादु आसुन। व्वन्य् वनतम च़ु क्याज़ि आख योर तु कुनुय ज़ोन क्याज़ि ब्यूठुख यथ वॉरान जाथस मंज़ ?

सबब वनतम बिहिथ छुख क्याज़ि तन्हा, न हमदम सुत्य् छुय, न हम सुखन हा
ब तन्हॉई व वहदत क्याह मुदा छुय, पनुन छुयि ज़ोक किनु शोके खुदा छुय

शाहज़ादन वोनुस, बु छुस फलां मुल्कुक शहनशाह। म्यॉन्य् सलतनथ छि स्यठा बॅड तु मे ताबेह छि वारियाह दाना तु ऑकुल। म्यॉन्य् वॅज़ीर छि स्यठाह मुदबिर तु मसलहत अंदेश। तिमन निशि छुनु कांह राज़ छुपिथ। तिमुवुय वोन मे ज़ि यि नोव र्यथ छु मे प्यठ गोब तु यथ र्यतस म्योन पनुनिस मुल्कस मंज़ रोज़ुन छुनु जान, तिक्याज़ि मे छु हारून रॅशीदुनि तरफ़ु इज़ाह वातन वोल। अगर बु पनुनिस मुल्कस मंज़ रोज़ु, सु छ्नि मे मॉरिथ। म्यान्यव वॅज़ीरव कोर सलाह तु बु वातुनोव हस यथ ज़ुविस मंज़, योत नु सु हेकि वॉतिथ।

सॅमिथ तदबीर ठॅहरॉवुख वॅज़ीरव, तिमन म्योनुय गरे नेरुन सलाह प्यव
सलाहे नेक वोनुहम छुय च़ै बेहतर, सोकूनथ मंज़ ज़ुविस माहस नॅविस कर

हारून रॅशीदन बूज़ शाहज़ादु सुंज़ि ज़ेवि पनुन नाव तु गव हॉरतस। तस ओस नु शाहज़ादस सुत्य् कांह अदावथ तु सु मारनुक ओस नु सवालुय पॉदु गछ़ान। तॅम्य् सूंच ज़ि

शाहज़ादु सुंद्यव वॅज़ीरव छु तसुंद ताज तख्त ख्यनु खॉतरु यि चाल वॅरमुच़। अमिय छुख सु यूत दूर ऑनिथ यथ ज़ुविस मंज़ त्रोवमुत। मगर तॅम्य् वोन नु शाहज़ादस अथ मुतलिक कैंह।

शाहज़ादु ओस ख्वश ज़ि सु छु तथ जायि बिहिथ योत नु कांह हेकि वॉतिथ। तॅम्य् कजि तिमु सारेय शॉही ज़ियाफतु न्यबर, यिम तॅम्य् ऑकिस र्यतस ख्यनु बापथ सुत्य् आसु अनिमच़ु। अथ मंज़ ऑस्य् कबाबु, नान, बिरयॉन्य् , क्वकर बेत्री प्रथ कांह चीज़ मूजूद। शाहज़ादन कोर हारून रॅशीदस साल। दोपुनस च़ु आसख खबर कुति कालुक फाकय। पख ब्रोंठ कुन तु वुछ मज़ु यिमन शॉही ज़ियाफतन हुंद।

अमि पतु ह्योत शाहज़ादन माज़ रानि मंज़ु श्राकपुचि सुत्य् अख अख टुकरु च़टुन तु हारून रॅशीदस पानय आपरावुन।

कलम त्राशा कोडुन नोज़ुक स्यठाह तेज़, वुरिथ तथ माज़ आपुरनस वॅरिथ तेज़

शराबुक दौर सपुद शुरू। हारून रॅशीद गव ज़ियाफतु ख्यथ शाहज़ादु सुंद स्यठाह ममनून। दोपुनस, "चॉन्य् मेहमान नवॉज़ी वुछिथ सपदुस बु स्यठाह ख्वश। व्वन्य् छु म्योन ति फर्ज़ ज़ि बु करु चॉन्य् कैंह खॅदमथ।"

सपुन हारून रॅशीद ममनूने एहसान, दोपुन शाहज़ादस ऐ यारे वफादार
च़े मेहमान दॉरिया वॅरथम ब खूबी, मावज़ु खॅदमथाह च़े ति म्यॉन्य् शूबी

हारून रॅशीदन वोन शाहज़ादस ज़ि यिथु पॉठ्य च़े आपुरॉविथ मे लोलु सान माज़ पॅल्य्, तिथय पॉठ्य आपरय बु ति वापस। शाहज़ादन द्युतुस इजाज़थ। हारून रॅशीदन तुल श्रापुकुच नोखस प्यठ अख अस्ल ह्यू माज़ फोल तु आपरोवुन शाहज़ादस। क्वदरतु सुंद करुन सपुद युथ ज़ि अमिय सातु पेयि शाहज़ादस प्वंद। श्राख च़ायि तसुंदिस तालस तु सु प्यव खून हारान पथर तु मूद।

कज़ा ज़ांह फेरि नु हरगिज़ ब तकदीर, कज़ा लारान पतु प्रारान छु तकदीर

हारून रॅशीदस प्यव स्ठाह द्वख। सु गव ख्वदावँदी प्यठ हॉरान। पनुनिस पानस प्यठ गॅयि तस शरमंदगी ज़ि नाहक खोत तस शाहज़ादु सुंद खून कलस। तस आव व्वन्य् समुज ज़ि जानावारन क्याज़ि ओस सु अथ ज़ुविस प्यठ वातुनोवमुत। अमिय वख्तु प्यव सु जानावार बेयि ओर वॉतिथ। हारून रॅशीदस च़ोल व्वन्य् पनुनि ज़ुवुक लरज़ु। तॅम्य् वॅर जानावारस ज़ंगि थफ। जानावार गव वुडिथ तु वातुनोवुन सु वापस पनुनिस बागस मंज़।

गुलिस्तान डीशिथुय मससरूर गव शाह, ब हॉरथ ओस, कोत वोतुस वुछुम क्याह

□ मोसूम शाह छु नोश लब ह्यथ नेरनुच सखर करान □

दास्तान खत्म वॅरिथ वोन मोसूम शाहन नोश लबि कुन ज़ि येमिस यि मुकदरस मंज़ आसि, तस ति वाति। हरगाह चॉनिस कुस्मतस मंज़ ति च़े यारस निशि वातुन लीखिथ आसिय, तेलि वातुनावी बे शक ख्वदा तस निशि। यि वॅनिथ त्रोव मोसूम शाहन डाफ तु पेयस नेंदुर।

सुबहस येलि संगर फोल्य, मोसूम शाह गव बेदार। सु वोत बेयि जानावारु सुंदिस पंजरस निशि तु पृछुन तस ज़ि अज़ रातस वॅरथा च़े नेंदरि ज़्वलाह किनु किही नु? जानावारन द्युतुस जवाब:

दोपुस तमि यस बुछिथ च़लि कालु शाहमार, तॅमिस आरामु सुय सुत्यन छु क्याह कार
दज़ान युस लोलु नारस मंज़ छु हर दम, तॅमिस क्युत छुय जहानुक ऑश मातम

जानावारु सुंदिस रुपस मंज़ ऑस नोश लब वदान तु रिवान। तस ओस सॅर्य पेठ्य सॅहलाब गोमुत। स्व ऑस अजब मलिकस समखनु खॉत्रु बे करार। मोसूम शाहस लॅज तसुंज़ हालत वुछिथ दिलस नवि सरु ग्राय। सु द्राव यकदम न्यबर कुन तु सफरुच तयॉरी करनुक द्युतुन होकुम।

येलि सिरियि लोसुनस तयार ओस, मोसूम शाहन तुल जानावारु सुंद ठ्युप अथस क्यथ तु द्राव सफरस। ग्वलाम तु खॅदमथगार आयि सुत्य् तुलनु।

मोसूम शाहन रॅट बैयतुल अमानुच वथ। सफर ओस स्यठाह क्रूठ। थख दिनु वरॉय रुद्य तिम रातस द्वहस पकान। ग्वलामन रूज़ नु व्वन्य् ब्रोंठ पकुनस किच़ कांह सूरथ। अकि अकि ह्योत तिमय सारिवुय पथ फेरुन। मोसूम शाह रूद व्वन्य् कुनुय ज़ोन। तॅम्य् रोट ठ्युप पनुनिस कलस प्यठ तु रूद वारु वारु कदम दिवान। येलि दिलस मंज़ इरादु प्वख्तु आसि, क्वदरथ ति छु मदद करान। अमिय प्वख्तु इरादु सुत्य् वोत ऑखुरस मोसूम शाह ति बैयतुल अमान। ठ्युप त्रोवुन पानस दूर ॲकिस कुल्य् लंजि तिथु पॉठ्य् अलूंद ज़ि कॉसि हुंज़ नज़र पेयस नु। अमि पतु द्युत तॅम्य् थख। बैयतुल अमानु क्यन जिनन यामथ तस प्यठ नज़र पेयि, तिम आयि तस मारनु खॉतरु तु कोरहॅस अँद्य अँद्य गेरु। अमि पतु पृछुहस ज़ि च़ु कुस छुख तु यथ मुल्कस मंज़ क्या करनि आख।

मोसूम शाहन वोनुनख ज़ि बु छुस स्यठाह खॉरी तुलिथ यथ जायि वोतमुत। नोश लब छम सुत्य तु म्योन मुदा छु तसुंज़ि माजि समखुन। नोश लबि हुंद नाव बूज़िथ गॅय तिम स्यठाह ख्वश तु लारान लारान वातुनॉवुख यि शेछ नोश लबि हुंज़ि माजि ताम।

खबर येलि कोरि हुंज़े माजि बूज़ुन, कॅनीज़ाह शाहज़ादस निशि सूज़ुन

कॅनीज़ वॉच़ मोसुम शाहस निशि तु सु ओनुन पानस सुत्य् नोश लबि हुंजि माजि गुल बदन बेगमि निशि। गुलबदन बेगम गॅयि मोसुम शाहस वुछिथ स्यठाह ख्वश। स्व ऑस कोरि हुंज़ शेछ बोज़नु खॉतरु बे करार।

ब जल्दी कोरि हुंद पॉगाम वनतम, गॅयस बे ताब नारस आब छुनतम
दोपुस तमि क्याह च़े छुय पॉगाम ओनमुत, जिगर छुम बहरे द्वख्तर खून सपुनमुत

मोसुम शाहन वुछ तसुंज़ बे करॉरी तु वोनुनसः

दोपुस तॅम्य् छम मे ॲन्यमुच़ सुत्य् पानस, ब सख्ती वॉत्य् ॲस्य् बैयतुल अमानस

सफर यॊद सख्त द्वन वॅरियन कॊडुम क्रूठ, मे गॅय कॊठ्य छ़ॊटच अदु दौरान गमुक ज़्यूठ

गुल बदन बेगमि लजि अॅछ दरस। तमि कॊर मोसूम शाहस ज़ारु पारु ज़ि मे करुनावतु कोरि हुंद दीदार। तस सुॅत्य् वादु वॅरिथ द्राव मोसूम शाह तु ठ्युप ह्यथ आव वापस। माजि येलि कोरि हुंज़ हालथ वुछ, तस च़ॅज वदन बाख नीरिथ। अथु थॊद तुलिथ पॊरनस दुआ तु नोश लब आयि पनुनि शक्लि मंज़ वापस। अमि पतु रॅट तमि स्व नालुमति तु वॅर्यनस म्वन्य् तु मीठ्य।

वॊदुख डीशिथ अॅकिस अख माजि कोर्यव, च़े तु मे वुछ तु दूर्यर क्याह ज़रुन प्यव
जुदॉयी वुछतु क्या गॅये ज़िंदु पानय, लीखिथ ती ओस नाहक गव बहानय

माजि आयि नु पछ़ ज़ि मे वुछा कूर वारु कारु ज़िंदय। कोरि आयि नु पछ़ ज़ि मे गॅया बेयि माजि सुॅत्य् मुलाकात। द्वशवय येलि अख अॅकिस लोल बॉगुरॉविथ म्वकलेयि, तमि पतु पृछ्नस माजि ज़ि येम्य् नफरन च़ु योर वातुनॉवनख, सु कुस छु तु कत्युक छु रोज़न वोल ? नोश लबि वॊनुनस ज़ि सु छु नख्शाब मुल्कुक शाहज़ादु तु नाव छुस मोसूम शाहः

वनय क्याह क्युथ छु मॉलिस टोठ फरज़ंद, ब ज़ॉरी छुन यि मॉंगमुत अज़ ख्वदावंद
यि द्युतुमुत छुय तिमन मँग्य् मँग्य् ख्वदायन, वुछान ऑसिस तिमय छ़ायन तु ग्रायन

अमि पतु बोज़नॉव नोश लबि मोसूम शाहुन्य् सारुय दॅलील माजि ज़ि तिमन किथु पॉठ्य सपुज़ पानुवॅन्य् मुलाकात तु किथु पॉठ्य वॉत्य तिम योर। यि बूज़िथ सपुज़ गुलबदन बेगम मोसूम शाहस शुक्र गुज़ार।

यि मुश्किल गोम चाने सुॅत्य् आसान, बु कॅरथस वारयाह ममनूने एहसान
दुबारु ज़िंदुगॉनी अज़ च़े दिच़थम, फिदा सपनय मे लादन चॉन्य् बड छम

गुलबदन बेगम ऑस तीच़ ख्वश ज़ि तस आव नु पथ ब्रोंह किहिन्य् लबनु। तमि कॅर अमिय वख्तु नोश लब मोसुम शाहस हवालु ज़ि गछ़ बु छसनय च़े पनुन्य् कूर बख्शान। मगर मोसूम शाहस ऑस नु नोश लब मंज़ूर। तॅम्य् दोपुस ज़ि मे छु तस कुन बेनि गँज़रिथ

वुछमुत। बु किथु ह्यकु तस सुत्य् खांदर वॅरिथ। म्यानि बदलु करतन स्व तॅस्य् बुलबुलस हवालु येम्य् सुंद दाग तसुंदिस दिलस मंज़ छु, तु यसुंदि म्वखु तॅम्य् यीच़ खॉरी तुज।

गुलबदान बेगम गॅयि अथ कथि तयार मगर दोपुनस अजब मॅलिकुन्य् छम नु कांह खबर ज़ि सु छा ज़िंदय किनु मूदमुत। दोपुनस सु ओस मे तुरकिस्तानस अंदर कुनुय ज़ोन अॅकिस वॉरान जायि त्रावुनोवमुत। तमि पतु क्याह गुदर्यव तस, मे छनु किहिन्य् पताह। मोसूम शाहन वोनुस ज़ि अगर म्योन बोज़ख, अख कॉसिद करुन तयार युस बहरीन मुल्कस गॅछ़िथ नाज़ मस्ति निशि पॉगाम नियि। मे छु पूर यकीन ज़ि हरगाह अजब मलिक ज़िंदु आसि, सु आसि यकीनन नाज़ मस्ति समखुनि यिवान तु तवु किन्य् आसि नाज़ मस्ति तसुंज़ पूर खबर।

नोश लबि ल्यूख नाज़ मस्ति खॉतरु खत। अथ खतस मंज़ ल्यूख तॅम्य् पनुनि दिलुक हाल तु तस वॅरुन गुज़ॉरिश ज़ि म्यॉनिस बालु यारस वातुनावतु म्योन पॉगाम। अथ खतस मंज़ थोव ज़न तु तमि पनुन दिल वॅडिथ:

वेसिये गुलन आवय बहार, अज़ सालु अनतन बालु यार
वॅल्य् वॅल्य् अनुन फॅल्य् लालु ज़ार, अज़ सालु अनतन बालु यार
तस कुन मे कल छम राथ द्यन, छस तंबुलेमुच़ कर वुछन
यिमुहस पतय तथ छुम नु वार, अज़ सालु अनतन बालु यार
परवानु रोयस गथ करस, तथ शमा रोयस तल मरस
छम कल तॅहुंज़ म्वल छुम नु हार, अज़ सालु अनतन बालु यार

तॅवील खत लीखिथ आव सु कॉसिदस अथि बहरीन मुल्कस मंज़ नाज़ मस्ति वातुनावनु। नोश लबि हुंद खत पॅरिथ होर तमि अॅछव किन्य् खून। कॉसिदस निशि लोग तस पताह ज़ि अजब मॅलिक ओस नॅंदरि मंज़ुय तुलिथ तुरकिस्तान वातुनावनु आमुत तु तमि पतु छनु तसुंज़ कांह खबर। वुनि ऑस नाज़ मस्त कॉसिदस सुत्य कथुय करान ज़ि अख वॅनीज़ आयि नाज़ मस्ति शेछ ह्यथ ज़ि अजब मॅलिक छु बरस प्यठ वॉतिथ प्योमुत।

शॅछ वॉतिथुय दोरेयि नाज़ मस्त देवानन हुंद्य पॉठ्य तु वॉच़ अजब मलिकस निशि। अजब मलिकस ओस बुथ ज़रद्योमुत। नाज़ मस्ति रॉट सु बॉय सुंद्य पॉठ्य नालुमति। तमि पतु न्यून सु पानस सुॅत्य हरम खानस मंज़ तु पृछ्ठनस हाल। अजब मलिकन वॅनिनस पनुन्य् दॅलील। दॉपुनस बु तुलुहॅस नेंदरि मंज़ुय तु द्युतुहस ॲकिस वॉरान जाथस मंज़ दॉरिथ। मगर ख्वदायस ओसुस बु ज़िंदु थावुन तु तमिय बचोस। बु फ्यूरुस तमाम आलमस पनुनिस दिलबरस वॅन्य् दिवान मगर सु ड्यूठुम नु कुनि, तु न म्यूलुम तसुंद कांह नेब।

अजब मलिकुन्य् कथ बूज़िथ वॅनिनस नाज़ मस्ति नोश लबि हुंज़ शॅछ। तमि पतु होवनस सु खत युस नोश लबि तस ओस सूज़मुत। अमि पतु ल्यूख नाज़ मस्ति योरु खतुक जवाब तु सुॅती ल्यूखुनस अजब मॅलिकुनि तोर यिनुक वाकह तु तसुंद हाल।

बुलबुल गुलन छु गारन, परवानु शमा छ़ारन
बॉबुर हमेशु लारन यॅबुर ज़लन मुबारक
माह रोयि हाव नॉन म्वख, ज़ांह कर बलन तिमन द्वख
जिगरस लगन यिमन छ्वख प्यठ त्यॉगुलन मुबारक

खत आव कॉसिदस अथि नोश लबि निशि सोज़नु। तमि युथुय खत पॉर तस फ्यूर बुथिस ग्वलॉब्य् रंग। दोरान दोरान गॅयि तु होवुन सु खत पनुनि माजि। तमि पतु बोवुन तस खतुक मज़मून। गुलबदन बेगमि बुलोव मोसुम शाह तु वॅनिनस सॉरुय दॅलील। पतु वॉनुन तस ज़ि च़ु थॉवमख मख्तार, व्वन्य् वनतम च़ुय बु क्याह करु? मोसूम शाहन वॅरनस नॅसीहथ। दॉपुनस ज़ु दिल पानुवॅन्य् मिलावुनस मंज़ गछ़ि नु तॉखीर युन करनु। ॲस्य् गछ़व माल व जाह, जहाज़ व सिपाह व सलतनथ ह्यथ मुल्के बहरीन तु करनावोख ज़ु जान पानुवॅन्य् मुलाकात।

गुल बदन बेगमि आयि मोसूम शाहुन्य् कथ पसंद। स्व गॅयि तु वॅनिन यि कथ पनुनिस खानुदारस। द्वनुवय गॅयि अमि कथि बापथ रॉज़ी ज़ि नोश लबि गछ़ि अजब मलिकस सुॅत्य् खांदर करनुक इजाज़थ युन दिनु। मोसूम शाहस आव अथ रुतिस मशवरस प्यठ कॉफी ज़र तु ज़ेवर दिनु।

प्रथ तरफ़ु सपुद शॉदियानुक माहोल। नोश लब आयि पॉरावनु तु महारेन्य् बनावनु। तस आयि कोफूर संदल तु अॅत्र मलनु, तु शाहानु पोशाक तु ज़ेवर लागनु।

प्रज़लवुन हूर बुथ ज़न नूरि मशाल, ज़ि जलवह ऑस नेरान नारु वुज़मल
पॅरी ऱ्वख क्याह सपुन्य् माह पैकराह ज़न, प्रयिवुन्य् ख्वश यिवुनय् पोशि थॅराह ज़न

अहलो अयाल तु महारेन्य् ह्यथ द्रायि वारु कारु गुल बदन बेगम बैयतुल अमानु प्यठु तु वॉत्य् मुल्के बहरीन। मोसूम शाह ओसुख सुत्य्। येलि तिमव पनुन लशकर ह्यथ बहरीनस मंज़ कदम त्रोव, प्रथ तरफ़ु वोथ शोर। नाज़ मस्ति हुंदिस मॉलिस सिपाह सालारस वॉच़ शेछ ज़ि नोश लब छि मोल मॉज ह्यथ शहरस मंज़ वाच़मुच़। सु द्राव पानु तिमन ख्वश आमदीद वनुनि।

अजब मॅलिक आव मोसूम शाहस निशि तु कॅरिनस ख्वरन मीठ्य।

दुआ कोरनस ख्वरन तल त्रोवनस सर, च़े बॅलरोवुथ मे सोनमुत अॅश्कुनुय ज़र

अमि पतु आव खांदरुक संज़ करनु। नाज़ मस्ति हुंद मोल सिपाह सालार बन्यव गोबरु यॅज़मन। शॉही ज़ियाफतन हुंद आव इन्तिज़ाम करनु। महाराज़ु आव पॉरावनु। मजलिसो महफिल आयि सजावनु। शरबतो शीरीं आयि वफूर बॉगरावनु। साज़ंदव सजॉव पनुन्य् महफिल। नोश लबि हुंद मोल सपुद पनुन ज़ामतुर अजब मॅलिक वुछिथ स्यठाह मसरूर तु शाद। तॅम्य् मंगुनॉव्य् कॉज़्य् तु तिमव कोर अजब मॅलिकस नोश लबि सुत्य् निकाह। प्रथ तरफ़ु सपुज़ शॉद्य तु पॅरियव लोग वनवुन।

मेति निखु तूर्य किनु च़ुय यिख योतुये, दिल गोम मोतुये मेलख ना
कनु बोज़ वनुवुन क्याह छुय रुतये, दिल गोम मोतुये मेलख ना

यिथु पॉठ्य सपुद बाह वॅरी जुदॉयी तु तकलीफ तुलिथ अजब मॅलिकस तु नोश लबि म्युल। तिहँज़ि वॉरान ज़िंदुगी मंज़ आव नोव बहार:

ब यकजा मील्य् बॉबुर तय यँबरज़ल, ब फुरसथ बीठ्य छॉविख ही तु मसवल
द्वयव तशनु लबव चव वसलुकुय आब, फिराकुक राह च़ॉलुख गॅय सब़्ज़ो सैराब

खांदरु पतु वॅर नाज़ मस्ति हुंद्य मॉल्य् सिपाह सालारन नोश लबि हुंदिस मॉलिस मशहूर शाहस दावथ। मशहूर शाह आव अजब मॅलिक तु मोसूम शाह ह्यथ। सिपाह सालारन ओस कुस्मु कुस्मुक्यन ज़ियाफतन तु शरबतन हुंद इन्तिज़ाम कॉरमुत।

मोसूम शाह द्राव मजलिसि मंज़ु न्यबर तु गव पोशि बागस कुन सॉलाह करनि। अति गॅयि अॅमिस अॅकिस ज़नानि हुंदि ग्यवनुच आवाज़ कनन। मोसूम शाह पॉक ब्रोंठ कुन। दूरि वुछिन नाज़ मस्त वॅनीज़न मंज़ बिहिथ ग्यवान। मोसूम शाह वोत तस निशि तु द्वशवॅन्य् पॅयि अख अॅकिस प्यठ नज़र।

यॅमिस तस कुन नज़र पॅयि तस यॅमिस कुन, सॉनुख द्वशवॅन्य् दिलन तॉसीर अॅश्कुन
यॅमिस गुल रोयि दिल गव पारु पारु, तॅमिस मानंदे बुलबुल खारु खारु

द्वशवय गॅय अख अॅक्य् सुंदिस अॅश्कस मंज़ गिरिफतार। वुछान वुछान गव तिमन लोलु नारु सुत्य् गॉयलु तु द्वशवय आयि पथर लायिनु। वॅनीज़व तुल शोर। क्रख बूज़िथ आयि मजलिसि मंज़ बिहिथ लूख लारान लारान। कॅह गॅय नाज़ मस्ति निश तु कॅह मोसूम शाहस निश। अजब मॅलिकन रॉट मोसूम शाह ख्वनि मंज़ तु दिच़नस शरबथ चॅन्य्। तमि पतु कॉर तॅम्य् मोसूम शाहस निशि तसुंदि दिलुक राज़ मोलूम।

अजब मॅलिक वोत सिपाह सालारस निशि तु वॅनिस तस मोसूम शाह तु नाज़ मस्ति हुंदि अॅश्कुच कथ। तमि पतु वॅरुन तस गुज़ॉरिश ज़ि नाज़ मस्त गछ़ि यिन्य् मोसूम शाहस बख्शनु। सुती वॅर तॅम्य् नाज़ मस्ति हुंज़ि ल्वकचि बॅनि मस्त नाज़ि हुंज़ कथ ति पनुनिस दोस्तस रासिख सुंदि खॉतरु। सिपाह सालार गव द्वशवुन्य् कथन मंज़ रॉज़ी।

मोसूम शाहस सपुद नाज़ मस्ति सुत्य् तु रासिखस सपुद मस्त नाज़ि सुत्य् खांदर। पछस अॅकिस रूद्य यिम अॅती तु अमि पतु प्यव तिमन पनुन पनुन गरु याद।

त्रे बुलबुल गॅय त्रे गुल ह्यथ हुस्नु वारे, त्रेयव तोतव नियख ज़ीनिथ त्रे हारे

त्रेशवय वॉत्य् पादशाहन निशि तु वॅरुख तिमन र्वखसथ दिनु खॉतरु गुज़ाॉरिश। दोपुहख असि छु पनुनिस पनुनिस मॉलिस माजि हुंद स्यठाह लोल आमुत। ॲस्य् छि यछ़ान पनुन पनुन गरु वापस गछुन युथ ॲस्य् पनुनिस मॉलिस माजि हुंद हक नखु वॉलिथ हेकवः

इजाज़थ गोछ़ करुन असि मेहरबॉनी, सु हक नखु वालुहव दर ज़िंदुगॉनी

बादशाहव द्युत वछ़ि वॉलिंजि तिमन इजाज़थः

तिमव फरमोवहख छिवु पानु म्वखतार, करुन असि शूबि नु अथ जायि इनकार

सुती वॅर बादशाहव तिमन गुज़ॉरिश ज़ि सानि कोरि छे नाज़व सुत्य् पालनु आमच़ु तु युथ नु यिमन ज़ांह दिल फुटरॉविव। अजब मॅलिकन, मोसूम शाहन तु रासिखन कोर अथ कथि यकरार। सुती वॅरुख पनुन्यन गरिक्यन पनुनि वापसी हुज़ शेछ। अमि पतु आयि तिमन हुंदि नेरनुच सखर करनु। तिमन आयि खसुन्य् कित्य् गुर्य, शॉही ज़ाँपानु, खज़ानु तु कुमती सामानु सुत्य् दिनु। अजब मॅलिक तु रासिख द्रायि नोश लब तु मस्त नाज़ ह्यथ तुरकिस्तान कुन तु मोसूम शाह द्राव नाज़ मस्त ह्यथ नख्शब कुन। सॉरी वॉत्य् पनुन पनुन मुल्क वापस येति त्युहुंद शाहानु इस्तेकबाल आव करनु तु तॅथ्य् सुत्य् आयि जश्न तु शॉदियानु करनु।

★ ★ ★

==========

मकबूल शाह क्रालुवार्य सुंज़ लीछिमुच़ मसनवी

दास्तान-ए-गुलरेज़

==========

Source: 'Gulrez' - compiled by Mohd. Yousuf Teng and 'Kashmiri Zaban Aur Shairi, Vol: 3' - authored by Abdul Ahad Azad, publications of J&K Academy of Art, Culture & Languages, Srinagar.
Condensed and Transformed version by M.K.Raina.
Work completed on 1.1.2005. Revised 15.11.2005